दिव्य आकाश

असतो मा सद्गमय

सुविचार
खुद पर भरोसा रखें, अपनी कमियों को पहचानें और कार्य करें तो सफलता मिलेगी ही।

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष 17, अंक-04 | कोरबा, शुक्रवार दिनांक 01 से 07 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य रू. 3.00/-

भाजपा का कमाल

प.बंगाल में खिला कमल दीदीगिरी खत्म

असम और पांडीचेरी में भी भाजपा की वापसी

सुपरस्टार विजय थालापति राजनीति में भी स्टार:तमिलनाडु में 108 सीटों के साथ टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनी, 49 साल में लेफ्ट सभी राज्यों से आऊट

केरलम् में कांग्रेस की सरकार तय, ममता अपनी सीट भवानीपुर से भी पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में हुए चुनाव की मतगणना में तीन राज्यों में कमल खिल गया। भाजपा के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य था पश्चिम बंगाल, यहां भाजपा ने 15 साल की दीदीगिरी को खत्म कर अंततः कमल खिला दिया। 293 सीटों के लिए हुए चुनाव में भाजपा को बहुमत के आंकड़े से काफी अधिक सीट मिल रही है। भाजपा यहां 208 सीटों में जहां आगे चल रही है, वहीं समाचार लिखे जाने तक 170 सीटें जीत चुकी हैं। ममता की टीएमसी 79 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि 55 सीटें जीत चुकी है।

असम और पुंडुचेरी में भाजपा की दमदार वापसी हुई है और पिछले चुनाव से इस बार अधिक सीटें मिली हैं। असम की 126 सीटों वाली विधानसभा में अब तक जो रूझान मिले हैं उसमें 102 सीटों पर भाजपा जीत चुकी है और इस बार भाजपा को 27 सीटों का फायदा मिला है। कांग्रेस 21 में सिमट गई और 29 सीटों का घाटा हुआ है। 03 सीटों पर अन्य का कब्जा हुआ है।

पुंडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों में से भाजपा 18 सीटों पर जीत हासिल की है और पिछले चुनाव से 02 सीट अधिक मिली है, कांग्रेस को 06 सीट मिली है और पिछले चुनाव से 02 सीट कम है। अन्य को भी 06 सीट हासिल हुई है।

केरल में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। 140 सीट में से यूडीएफ को 102 सीट हासिल हुई है जो बहुमत से काफी अधिक है। यूडीएफ को 61 सीटों का फायदा मिला है। एलडीएफ की पिछली बार 64 सीटें थीं, जो इस बार 35 में सिमट गई। एनडीए ने यहां खाता खोल लिया है और 03 सीटों पर विजय हासिल की है।

तमिलनाडु में सुपरस्टार विजय थालापति ने कमाल कर दिया और 234 विधानसभा सीट वाली तमिलनाडु विधानसभा में 107 सीटों पर अपनी बढ़त बनाते हुए टीवीके ने समाचार लिखे जाने तक 93 सीटों पर जीत हासिल की है। डीएमके 65 सीटों पर आगे चल रही है और 47 सीट जीत चुकी है। डीएमके प्रमुख एवं मुख्यमंत्री स्टालिन अपनी सीट भी नहीं बचा पाए और अपने ही बागी से हार गए। एआईडीएमके 53 सीटों पर आगे चल रही है और 43 सीटें जीत चुकी हैं। अन्य दलों ने 09 सीटों पर जीत हासिल की है।

बंगाल जीत पर मोदी बोले-गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिला, घुसपैठियों के खिलाफ होगा एक्शन

पीएम मोदी ने सोमवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पर कहा- बंगाल की पहली कैबिनेट मीटिंग में ही आयुष्मान भारत को मंजूरी मिलेगी। घुसपैठ करने वालों पर एक्शन लिया जाएगा, महिलाओं को सुरक्षा का महौल मिलेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा। पीएम ने 47 मिनट के भाषण में पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में सरकार बनने पर कहा- गंगोत्री से गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। सालों की साधना जब सिद्धि में बदलती है, तो जो खुशी होती है, वो खुशी कार्यकर्ताओं के चेहरे पर देख रहा हूं।

भवानीपुर से हारी ममता बनर्जी, शुभेंदु अधिकारी ने बड़े अंतर से दर्ज की जीत

कोलकाता। भवानीपुर सीट से एक बड़े राजनीतिक उलटफेर में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को हार का सामना करना पड़ा। उन्हें 15,113 वोटों के अंतर से पराजय मिली। शुभेंदु अधिकारी ने इस सीट पर निर्णायक बढ़त हासिल करते हुए शानदार जीत दर्ज की।

संगीता सिन्हा बनीं छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस की प्रभारी अध्यक्ष

रायपुर, एजेंसी। संजारी बालोद से विधायक संगीता सिन्हा को छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस का प्रभारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ऑल इंडिया महिला कांग्रेस ने लेटर जारी किया है। इससे पहले संगीता सिन्हा और छन्नी साहू के नाम के बीच पेंच फंसा हुआ था। संगीता आगामी स्थायी प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगी। जनवरी में दिल्ली में इंटरव्यू की प्रक्रिया पूरी हुई थी। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा की मौजूदगी में 5 वरिष्ठ महिला नेत्रियों अनिला भेड़िया, संगीता सिन्हा, छन्नी साहू, ममता चंद्राकर और तुलिका कर्मा ने अपनी दावेदारी पेश की थी।

सुशासन तिहार:मुख्यमंत्री साय सोमवार को खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के छुईखदान विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बकरकट्टा पहुंचे। यहां उन्होंने बैगा समाज प्रमुखों और जनप्रतिनिधियों के साथ सामूहिक भोजन कर आत्मीय संवाद किया।

115 करोड़ का ओवरटाइम घोटाला, 7 आरोपी अरेस्ट

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े मैनपावर घोटाले में ACB-EOW की टीम ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि साल 2019-20 से 2023-24 के बीच ओवरटाइम के नाम पर करीब 115 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया।

जांच के दौरान पता चला कि फर्जी और बढ़े हुए बिल बनाकर यह रकम निकाली गई। यह पैसा कर्मचारियों को देने के बजाय अधिकारियों और निजी लोगों के बीच कमीशन के रूप में बांटा गया। सोमवार को सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 11 मई तक कस्टोडियल रिमांड पर भेज दिया गया है। पूछताछ के दौरान फर्जी बिलिंग, कमीशन और पैसे के इस्तेमाल से जुड़े और खुलासे होने की संभावना है। इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है और जांच अभी जारी है।

नदी में कार गिरने से 4 मौतें

कबीरधाम, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में देर रात तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर फोक नदी में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार 4 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना पांडातराई थाना क्षेत्र की है। शुरुआती जानकारी के अनुसार सभी युवक बिरगांव (रायपुर) से पंडरिया में शादी में शामिल होने जा रहे थे।

समीक्षा बैठक: मंत्री देवांगन का कड़ा रूख, कहा-विकास कार्यों में लापरवाही स्वीकार्य नहीं, समय पर कार्य प्रारंभ न करने वाली निर्माण एजेंसियों होंगी ब्लेक लिस्टेड

कोरबा (दिव्य आकाश)।

प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, सार्वजनिक उपक्रम, आबकारी व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने निगम के अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुये कहा है कि आमजन को सुविधा प्रदान करने व शहर के विकास हेतु किये जाने वाले विकास व निर्माण कार्यो में लापरवाही कतई स्वीकार्य नहीं होगी, अत: जो निर्माण एजेसियॉं समय पर कार्य प्रारंभ नहीं करती तथा कार्यो के प्रति उदासीनता प्रदर्शित करती है, उन्हें ब्लेक लिस्टेड किया जाए ताकि शहर का विकास कार्य प्रभावित न हों तथा आमनागरिकों की समस्याएं दूर हों, समय पर उन्हें विकास कार्यो का लाभ मिल सके। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि किसी विकास कार्य को करने में कोई मैदानी समस्या आती है, तो उस कार्य को सीधे निरस्त करने की कार्यवाही न करें, बल्कि स्थिति से मुझे अवगत करायें, समस्या का समाधान होगा तथा उक्त कार्य संपादित होगा।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के अधिकारियों व वार्ड पार्षदों की उपस्थिति में टी.पी.नगर व कोरबा जोन के वार्डो के विकास कार्यों की समीक्षा की। इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय व सभापति नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन भी उपस्थित थे। टी.पी.नगर व कोरबा जोन के 18 वार्डो में वर्तमान में 175

विकास कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें कुछ कार्य पूर्ण हो चुके हैं, कुछ प्रगति पर हैं तथा कुछ कार्य प्रारंभ कराये जाने हैं। दोनों जोन के वार्ड क्र. 01 से वार्ड क्र. 18 तक के विकास कार्यो के अंतर्गत उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने विभिन्न मदों के तहत किये जाने वाले सी.सी. रोड निर्माण, नाली व नाला निर्माण, सामुदायिक भवन निर्माण, रोड डिवाईडर, आंगनबाड़ी व स्कूल भवन, अतिरिक्त कक्ष व प्रतीक्षालय, मंगल भवन, डोम निर्माण, आर.सी.सी. शेड, कलवर्ट, शौचालय, किचन शेड, स्ट्रीट लाईट आदि सहित विभिन्न विकास कार्यों की वार्डवार व विकास कार्यवार समीक्षा करते हुये उन्होंने पूर्ण हो चुके कार्यों, प्रगतिरत कार्यों तथा अप्रारंभ व प्रस्तावित कार्यों की विस्तार से जानकारी ली तथा कार्यों में आवश्यक गति लाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। इस दौरान उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने जिला खनिज न्यास मद, अधोसंरचना मद, वित्त आयोग मद, प्रभारी मंत्री मद, विधायक मद, मध्यक्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण मद, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण मद, राजस्व व आपदा प्रबंधन, निगम मद, एन.सी.ए.पी.मद, सी.एस.आर. मद, महापौर मद सहित अन्य विभिन्न मदों के अंतर्गत प्रस्तावित, स्वीकृत, प्रगतिरत व पूर्ण हो चुके कार्यों की सघन रूप से समीक्षा की।

आमजन की समस्याओं के प्रति रहें संवेदनशील

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने बैठक के दौरान निगम के अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुये कहा कि अधिकारी कर्मचारीगण आमजनता की समस्याओं के प्रति पूर्ण रूप से संवेदनशील रहते हुये उनकी शिकायतों व समस्याओं का त्वरित निराकरण करायें तथा आमजनता की अपेक्षाओं, उनकी मांगों व आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यो विशेषकर पेयजल, स्ट्रीट लाईट व साफ-सफाई आदि से संबंधित शिकायतों व समस्याओं का निर्धारित समयसीमा के अंदर निराकरण कर दिया जाए, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित करें।

शासकीय योजनाओं की समीक्षा

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, अमृत मिशन आदि सहित शासन की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए योजनाओं की कार्यप्रगति में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने शासन की विभिन्न आर्थिक सहायता व पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों तथा उन्हें समय पर पेंशन मिल रही है या नहीं, कहीं कोई अवरोध तो नहीं है, आदि की समीक्षा करते हुए पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का पूरा-पूरा लाभ पहुंचाने, विभिन्न पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों को समय पर पेंशन प्रदान करने आदि की दिशा में पूरी इच्छाशक्ति के साथ कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

बैठक के दौरान वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन के साथ ही पार्षद रविसिंह चंदेल, श्रीमती मथुराबाई चन्द्रा, श्रीमती प्रेमलता बंजारे, रामकुमार साहू, लक्ष्मण श्रीवास, युगल किशोर कैवर्त, ईश्वर प्रसाद पटेल, टामेश अग्रवाल, श्रीमती धनश्री अजय साहू, श्रीमती रूबिदेवी सागर, श्रीमती उर्वशी राठौर, श्रीमती सुलोचना यादव, श्रीमती सुषमा रमाशंकर साहू, श्रीमती प्रभा टीकम राठौर, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, जोन कमिश्नर नीरज कौशिक व अखिलेश शुक्ला, कार्यपालन अभियंता राकेश मसीह, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, सुनील वर्मा, निगम सचिव रामेश्वर सिंह कंवर, सहायक अभियंता पीयूष राजपूत, राहुल मिश्रा, अजय अग्रवाल, सोमनाथ डेहरे, विनोद गोंड़ आदि के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बिना भेदभाव के सभी वार्डो में हो विकास कार्य

बैठक के दौरान उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि हमारा संकल्प है कि निगम के सभी 67 वार्डो में बिना किसी भेदभाव के समान रूप से विकास कार्य कराएं जाएं। वार्डों के नागरिकों की मांग व उनकी आवश्यकता को देखते हुए विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार हों एवं वार्डवासियों की समस्याओं को दूर करने की दिशा में पूर्ण इच्छाशक्ति के साथ कार्य किए जाएं। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि शहर विकास के बड़े कार्यों के साथ-साथ वार्ड व बस्तियों में सी.सी. रोड, नाली, स्ट्रीट लाईट, विद्युत विस्तार, पेयजल व्यवस्था, सार्वजनिक शेड, चबूतरा, सामुदायिक भवन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों का संपादन उच्च प्राथमिकता के साथ कराया जाए। मंत्री श्री देवांगन ने निगम के जोन स्तर पर वार्ड पार्षदों के साथ बैठक आयोजित करने तथा वार्डवार विकास व निर्माण कार्यों की समीक्षा, समस्याओं व शिकायतों के निराकरण की दिशा में कार्य किए जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

ट्रिपल इंजन की सरकार का लाभ लोगों को मिले:यह हमारा संकल्प-संजूदेवी

बैठक के दौरान महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अधिकारियों से कहा कि केन्द्र, राज्य व निगम में हमारी सरकार है, अत: इसका पूरा-पूरा लाभ निगम क्षेत्र के नागरिकों को मिले, इस संकल्प के साथ हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के सहयोग से निगम क्षेत्र के विकास हेतु लगातार धनराशि प्राप्त हो रही है, जिसके लिए मैं उनके प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

उन्होंने कहा कि सहज व सरल स्वभाव रखने वाले उद्योग मंत्री श्री देवांगन क्षेत्र के विकास व निर्माण कार्यों के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं तथा कार्यो की गुणवत्ता पर उनकी विशेष नजर रहती है, अत: गुणवत्तापूर्ण कार्य करें। वार्ड के पार्षदों की बातों को गंभीरता से सुनें, उनके द्वारा बताई गई समस्याओं का त्वरित निराकरण कराएं।

सायकिल पर सवार कोरबा के दरवाजों को सुबह-सुबह दस्तक देती खबरें

मौसम चाहे कोई भी हो, आर्थिक बोझ लिए कड़े संघर्षों को बयां करते अखबार वितरक

कोरबा (दिव्य आकाश)।

वैसे तो कोरबा 24 घंटे जागता है, क्योंकि यहां सार्वजनिक प्रतिष्ठानों की भरमार है और जहां 24 घंटे अधिकारी से लेकर मजदूर देश निर्माण में अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करते मिल जाते हैं, लेकिन अलसुबह जब अधिकांश लोग नींद से जागते होते रहते हैं, तब सायकिल की घंटी ट्रिन...ट्रिन करते लोगों के घरों में दस्तक देते हैं अखबार वितरक। नींद खुलते ही लोगों को इंतजार रहता है अखबारों का, तब उम्मीद से पहले ये अखबार वितरक घरों में दस्तक देते हैं और लोगों को देश-दुनिया की खबरों से अवगत कराते हैं।

मौसम चाहे जो भी हो, हर मौसम में बिना रुके रोज अलसुबह जागकर उस स्थान पहुंचते हैं जहां गाड़ियों में लद कर अखबार पहुंचते हैं। कभी एक मिनट की देरी किए बिना अखबार वितरक अपना बंडल सायकिल में रखते हैं और गंतव्य की ओर निकल जाते हैं। यह रोज का रूटीन होता है। भविष्य की अनिश्चितता के बीच जीवन जिए जा रहे हैं, ये अखबार वितरक। अपनी धुन में... चले जा रहे हैं... समय पर घरों में अखबार जो पहुंचाना है।

जीवन में आर्थिक बोझ लिए... परिवार की टीस भरी आवाज हो या फिर अखबार के पैसे की वसूली के समय ग्राहक की दबंग आवाज... एक कान से सुनते हैं और बिना खिझ अपने कर्त्तव्यपथ पर आगे बढ़ते, कहीं थक भी गए तो बिना सुस्ताए बढ़ जाते हैं, अखबार जो समय पर पहुंचाना है।

संघर्षों की अनोखी दास्तां

अखबार वितरण का काम कोई आसान काम नहीं। अखबार वितरण करने वालों का पूरा जीवन संघर्षों की अनोखी दास्तां है, जिसे लोग सम्मान की दृष्टि से ज्यादातर देखते नहीं और इन्हें उपेक्षित करते हैं। ऐसे लोग जो स्वयं को दुनिया का बादशाह मानते हैं, लेकिन अखबार वितरण करने वाले मेहनतकश मजदूरों के माथे पर खिचीं चिंता की लकीरें इन्हें दिखाई नहीं देती। तीस दिन अखबार घर तक पहुंचता है, लेकिन एसी में जीने वाले लोग इनके एक दिन का पैसा काट लेते हैं और कहते हैं इतने दिन अखबार नहीं मिला। जरा सोचें कि मेहनत कितनी लगती है और रईसजादों को लगता है... कागज के पन्नों की कीमत ही क्या है? गरीबों के पसीने का मूल्य ही क्या है? अखबार वितरक अपने परिवार को किस तरह चलाते हैं, यह उनके संघर्षों की अनोखी दास्तां हैं, समझने वाले महसूस करेंगे और हवा में उड़ने वाले इनकी उपेक्षा!

गर्मी की तपीश हो, हाड़-मांस कंपा देने वाली ठंड हो या फिर बिजली चमक के बीच तेज बारिश हो, अखबार वितरकों के पैर कभी रूकते नहीं... कर्त्तव्य पथ पर अनायास ही बढ़ते चले जाते हैं।

काम छोटा भले ही लगे... लेकिन जिम्मेदारी बड़ी है-रामा

किशोरवय अवस्था से ही पेपर वितरण का काम करने वाले 60 वर्षीय रामायण सिंह(रामा) बताते हैं कि अखबार वितरण का काम लोगों को भले ही छोटा लगे, लेकिन इस काम में बड़ी जिम्मेदारी होती है। अलसुबह उठना और समय पर घरों में अखबार पहुंचाना कम बड़ी बात नहीं है। ग्राहकों का भरोसा हमेशा निभाना पड़ता है और यह हमारी आदत में शुमार है। 60 की उम्र में भी वही ताजगी, वही लगन... कोरबा ने रामा के दिनचर्या को देखा है और आगे भी देखेगा।

अखबार वितरण कमाई का जरिया ही नहीं, जिम्मेदारी का एहसास भी है-दीपक

आज नई पीढ़ी अखबार वितरण के काम को तवज्जो नहीं देती,

लेकिन अखबार वितरण हमारी दिनचर्या को अनुशासित बनाता है। अलसुबह उठना... अखबार सायकिल में रखना और आगे निकल जाना। घंटों मेहनत की पायडिल मारना और लोगों को समाचारों से अवगत कराना... बड़ा अच्छा लगता है। अखबार वितरण का काम सिर्फ कमाई का जरिया नहीं, यह हमें जिम्मेदारी का एहसास भी कराता है। 21 वर्षीय नई पीढ़ी का नवयुवक दीपक पात्रे का कहना है कि दुनिया में कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता, यह लोगों की नजरिया का खेल है।

जरा सोचें? - नीति निर्धारक जरा सोचें, अखबार वितरण करने वाले का जीवन स्तर कैसा है? इनका जीवन सामान्य कैसे हो। अखबार वितरक अब मांग करने लगे हैं और छत्तीसगढ़ में भी अखबार वितरकों के लिए कल्याण बोर्ड का गठन हो, ताकि असंगठित श्रमिक के रूप में इन्हें भी शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके और इनका जीवन भी सम्मानजनक बन सके।

पिपरिया एवं ईरफ में 05 मई को और 06 मई को जल्के एवं पहंदा में जन समस्या निवारण शिविर

कोरबा (दिव्य आकाश)।

सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में आम जनता के समस्याओं के निराकरण करने, उन्हें शासकीय योजनाओं की जानकारी देने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किये जाने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न कलस्टर ग्रामों में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 05 मई को प्रात: 11 बजे से पोंड़ी-उपरोड़ा विकासखंड के ग्राम पिपरिया और पाली विकासखंड के ग्राम ईरफ में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित की जायेगी। इसी तरह 07 मई को विकासखंड पोंड़ीउपरोड़ा के ग्राम जल्के एवं कोरबा विकासखंड के ग्राम पहंदा में शिविर का आयोजन किया गया है।

जांजगीर-चांपा में विधायक ब्यास कश्यप का सत्याग्रह

कलेक्ट्रेट गेट पर बैरिकेडिंग तोड़कर समर्थकों संग बैठे अनशन पर, प्रभारी मंत्री पर नजरअंदाज करने का आरोप

जांजगीर-चांपा।

जांजगीर-चांपा के विधायक ब्यास कश्यप ने राज्य सरकार, प्रभारी मंत्री और जिला प्रशासन पर उपेक्षा (नजरअंदाज) का आरोप लगाते हुए एक दिवसीय सत्याग्रह शुरू किया है। जिला प्रशासन ने उन्हें कलेक्ट्रेट परिसर में जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग और पुलिस बल तैनात किया था, जिसे तोड़कर विधायक अपने समर्थकों के साथ कलेक्टर कार्यालय के मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गए। उनके समर्थन में अकलतरा और जैजैपुर के विधायक भी सत्याग्रह स्थल पर पहुंचे।

विधायक ब्यास कश्यप ने छत्तीसगढ़ सरकार, जिले के प्रभारी मंत्री वित्तमंत्री ओपी चौधरी और जिला प्रशासन पर विधायकों के अधिकार छीनने का आरोप लगाया। उन्होंने घोषणा की कि वे एक दिवसीय सत्याग्रह के दौरान अन्न-जल त्यागकर चिलचिलाती धूप में बैठे रहेंगे। उन्होंने कहा कि उनके समर्थक छाता लेकर उन्हें छाया देंगे, लेकिन वे स्वयं तब तक अनशन पर रहेंगे जब तक उनकी मांगों पर लिखित आश्वासन नहीं मिल जाता।

भाजपा और कांग्रेस के विधायक करेंगे आंदोलन

सत्याग्रह का समर्थन करने पहुंचे अकलतरा विधायक राघवेंद्र सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सरकार की ओर से विधायकों की लगातार उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस उपेक्षा की शिकायत सदन में भी उठाई गई थी, लेकिन विधायकों की समस्याओं को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यही स्थिति बनी रही, तो अकलतरा और पूरे प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के विधायक आंदोलन करेंगे।

सुशासन तिहार:ग्राम कनकी में शिविर, 182 आवेदनों का निराकरण

कोरबा (दिव्य आकाश)।

सुशासन तिहार के तहत ग्राम कनकी में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उपस्थित होकर विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लिया। शिविर में विभागीय अधिकारियों द्वारा विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। ग्रामीणों ने भी अपनी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। मत्स्य, पंचायत, राजस्व, खाद्य विभाग द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने कहा कि जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी पहल है। उन्होंने इस अभियान के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार की मंशा है कि गाँव, गरीब और किसान को योजनाओं का लाभ सीधे उनके गाँव में ही उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने ग्रामीणों से साइबर क्राइम से सतर्क रहने, अनावश्यक रूप से पेड़ न काटने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील भी की।

जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अशोक बाई कँवर ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की विभिन्न योजनाएँ जनता तक आसानी से पहुँच सकें, इसी उद्देश्य से प्रत्येक क्षेत्र में शिविर लगाए जा रहे हैं।

जनपद उपाध्यक्ष मनोज झा ने कहा कि सुशासन तिहार के अंतर्गत कनकी में आयोजित यह शिविर सरकार की जनकेन्द्रित सोच का उदाहरण है।

जनपद पंचायत करतला के सीईओ कौशिक ने बताया कि जनसमस्या निवारण शिविर में कुल 962 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 182 का शिविर स्थल पर ही निराकरण किया गया। शेष आवेदनों का परीक्षण उपरांत निराकरण किया जायेगा। शिविर में कई विभागों से हितग्राहियों को अतिथियों के द्वारा सामग्रियों एवं प्रमाणपत्रों का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा ग्राम पंचायत सलिहाभाठा को टी.बी. मुक्त ग्राम घोषित करने पर स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र भेंट किए। शिविर में 03 हितग्राहियों को किसान किताब, 01 हितग्राही को आइस बॉक्स, 01 हितग्राही को ग्रोथ प्रमोटर, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 03 हितग्राहियों को आवास की चाबियां सौंपी गई। महात्मा गांधी नरेगा से लाभार्थियों को जॉब कार्ड दिए गए। खाद्य विभाग ने 05 लोगों को राशन कार्ड प्रदान की गई। इस अवसर पर सभी अतिथियों, नागरिकों एवं विभागीय अधिकारियों ने एकजुट होकर ग्रामीण विकास की दिशा में सहयोग की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर देवेन्द्र पटेल, डॉ. तरुण किरण (आई.ए.एस.), एसडीएम सरोज महिलांगे, अन्य विभागीय अधिकारी, जन प्रतिनिधिगण सहित बडी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

वैक्सीन स्टोरेज एवं कोल्ड चैन का निरीक्षण

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ शासन की प्राथमिकताओं में जनस्वास्थ्य सुरक्षा एवं गुणवत्तायुक्त दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रमुख है। इसी उद्देश्य से 'सही दवा- शुद्ध आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार' थीम के अंतर्गत 27 अप्रैल से 11 मई तक पंद्रह दिवसीय सघन जांच अभियान का संचालन जिला कोरबा में किया जा रहा है। कलेक्टर द्वारा गठित दल एवं सहायक औषधि नियंत्रक के मार्गदर्शन में अभियान का द्वितीय चरण जारी है।

द्वितीय चरण के अंतर्गत खाद्य एवं औषधि प्रशासन, औषधि प्रकोष्ठ कोरबा के औषधि निरीक्षक द्वारा राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम के साथ शासकीय एवं निजी अस्पतालों के वैक्सीन स्टोरेज एवं कोल्ड चैन का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिला कोरबा स्थित निजी स्वास्थ्य संस्थानों एवं वैक्सीन एजेंसियों- श्री तिरुपति मेडिकल एजेंसी निहारिका, स्वेता हॉस्पिटल स्थित मेसर्स पैसिफिक मेडिकल स्टोर्स रिस्दी, डॉ. एस. के. अग्रवाल चाइल्ड क्लिनिक निहारिका, मेसर्स मधुशील मेडिको निहारिका, मेसर्स कृष्णा हॉस्पिटल मंगलम विहार, एन.के.एच. हॉस्पिटल कोसाबाड़ी तथा शासकीय संस्थानों में जिला अस्पताल वैक्सीन स्टोरेज सेंटर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रानी धन कुंवर (पुराना बस स्टैंड) में वैक्सीन स्टॉक एवं भंडारण व्यवस्था की विस्तृत जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान वैक्सीन के उचित तापमान में संधारण, क्रय-विक्रय दस्तावेजों की जांच एवं स्टॉक मिलान किया गया। कुछ वैक्सीन सेंटर में फ्रिज से जुड़े अलार्म सिस्टम सही तरीके से कार्यरत नहीं पाए गए, जिन्हें तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। सभी केंद्रों को वैक्सीनेशन उपरांत संभावित दुष्प्रभावों हेतु पंजी संधारित करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

सभी संस्थानों में आई.एल.आर. एवं डीप फ्रीजर का उपयोग पाया गया, तथापि कुछ स्थानों में तापमान प्रदर्शन प्रणाली एवं तापमान लॉगबुक के नियमित संधारण में कमी पाई गई। आवश्यकतानुसार पावर बैकअप एवं वैक्सीन कैरियर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सुधारात्मक निर्देश दिए गए। यह भी अवलोकित किया गया कि वैक्सीन का विक्रय निर्धारित नियमों एवं मानकों के अनुरूप ही किया जाए।

अगामी दिनों में अभियान के अंतर्गत कोटपा के तहत चालानी कार्यवाही, नशीली औषधियों के दुरूपयोग रोकने हेतु मेडिकल स्टोर्स की जांच एवं व्यापक जनजागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जायेगी। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि कोरबा जिले में औषधि एवं वैक्सीन वितरण प्रणाली पूर्णत: पारदर्शी, सुरक्षित एवं मानक अनुरूप बनी रहे।

दिव्य आकाश

सफलता के 16 वर्ष पूर्ण 16th दिव्य आकाश

असतो मा सद्गमय

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
खुद पर भरोसा रखें, अपनी कमियों को पहचानें और कार्य करें तो सफलता मिलेगी ही।

कोरबा, शुक्रवार दिनांक 01 से 07 मई 2026

द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब्स डि.3233 सी की डिस्ट्रिक्ट कांफ्रेंस 09 एवं 10 मई को कोरबा के जश्न रिसोर्ट में

लायंस दिग्गजों का होगा जमावड़ा

वाईस डि.गवर्नर द्वितीय के लिए होगा चुनाव

उत्साह:एमजेएफ लायन आशीष अग्रवाल-लायन पीएमजेएफ अनिल अग्रवाल के बीच सीधा मुकाबला

कोरबा (दिव्य आकाश)।

द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब्स डिस्ट्रिक्ट 3233 सी का 09वां वार्षिक अधिवेशन 09 एवं 10 मई को कोरबा में होने जा रहा है। इस अधिवेशन में डि.3233 सी के अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ सहित आधा मध्यप्रदेश में संचालित लायंस क्लबों के पदाधिकारियों सहित देश की कई जानीमानी लायनवादी हस्तियां उपस्थित रहेंगी। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ लायन विजय अग्रवाल के नेतृत्व में यह कांफ्रेंस सम्पन्न होगी, वहीं 4थी केबिनेट की बैठक भी सम्पन्न होगी, जिसमें आगामी सत्र के लिए रणनीति भी बनेगी।

डिस्ट्रिक्ट कांफ्रेंस में वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वितीय के लिए चुनाव होगा और इस प्रमुख मुकाबले में लायंस क्लब बिलासपुर सेवा से एमजेएफ लायन आशीष अग्रवाल (जीएलटी-कोआर्डिनेटर) और लायंस क्लब दुर्ग से पीएमजेएफ लायन अनिल अग्रवाल के बीच सीधा मुकाबला होगा। लायनवादी परंपरा के अनुसार डिस्ट्रिक्ट कांफ्रेंस में सेवाभाव लिए सभी लायन सदस्य चुनाव में भाग लेंगे और अपने समर्थकों को वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वितीय के लिए वोट करेंगे। एमजेएफ लायन आशीष अग्रवाल ने सभी लायन दिग्गजों से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए महीनों पहले से ही दौरा प्रारंभ कर दिया है, वहीं वे एक ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिनके कुशल प्रबंधन से विपक्षी खेमा भी आकर्षित होगा और उनके कुशल एवं आकर्षक व्यक्तित्व के सभी कायल हैं।

विपक्षी खेमा को भी वे अपनी ओर रिझाने में सफल हो सकते हैं और पुष्ट सूत्रों की मानें तो एमजेएफ लायन आशीष अग्रवाल का पलड़ा भारी दिख रहा है।

वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रथम एवं डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के लिए भी औपचारिक चुनाव होगा, जिसमें पीएमजेएफ लायन रिपुदमन पुसरी सत्र 2026-27 के लिए डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बनेंगे, वहीं वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वितीय पीएमजेएफ लायन पवन मलिक प्रथम वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बनेंगे। सबसे दिलचस्प वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वितीय का चुनाव होगा और एमजेएफ लायन आशीष अग्रवाल एवं लायन अनिल अग्रवाल का शक्ति प्रदर्शन होगा। जितने वाले प्रत्याशी सत्र 2028-29 के लिए डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बनेंगे।

ला.आशीष अग्रवाल का साक्षात्कार- अंतिम पेज पर

लायन विजय अग्रवाल ने कांफ्रेंस को सफल बनाने की अपील

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ लायन विजय अग्रवाल ने सभी पदाधिकारियों से कांफ्रेंस को सफल बनाने की अपील की है।

लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्सी प्रत्याशी के रूप में पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल मैदान में

कोरबा (दिव्य आकाश)।

द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब्स डिस्ट्रिक्ट 3233 सी की दो दिवसीय डिस्ट्रिक्ट कांफ्रेंस 09 एवं 10 मई को कोरबा के जश्न रिसोर्ट परिसर में सम्पन्न होगा, जिसमें इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्सी का भी चुनाव होगा। लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्सी प्रत्याशी के रूप में कोरबा के लायन दिग्गज पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, पूर्व मल्टीपल वाईस चेयरमेन पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल की दमदार उपस्थिति होगी। इंटरनेशनल डायरेक्टर प्रत्याशी के रूप में पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने सभी लायन दिग्गजों से 100 प्रतिशत समर्थन की अपील करते हुए कहा है कि सबके सहयोग से लायनवाद को टीमभावना के साथ नई ऊंचाईयां दी जाएगी। यहां यह बताना लाजिमी होगा कि पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल कोरबा लायनवाद को विश्व शिखर तक पहुंचाया था। उनके नेतृत्व में कई बड़े-बड़े स्वास्थ्य शिविर कोरबा में आयोजित हुआ, तब कई लोगों को आंखों की रौशनी मिली थी, स्वास्थ्य सुविधा का लाभ कोरबा के अंतिम छोरों तक स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से पहुंचाया, उनके नेतृत्व में कोरबा सहित डिस्ट्रिक्ट 3233सी के कई क्लबों में कई ऐतिहासिक स्थायी प्रोजेक्ट को गति मिली, कोरबा सहित डिस्ट्रिक्ट 3233 सी में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कई ऐतिहासिक कार्य हुए। रचनात्मक कार्यों में वे हमेशा आगे रहने वाले डिस्ट्रिक्ट के सबसे ख्यातिलब्ध लायन सदस्य हैं। लायंस क्लब कोरबा में उनका अध्यक्षीय कार्यकाल स्वर्णीम रहा और अब वे लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल के स्थायी प्रोजेक्ट नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि के कारण शिक्षा प्रकल्प के कारण अलग पहचान बनाए हुए हैं। रचनात्मक कार्यों में भी उनकी अलग पहचान है।

बालको की सुरक्षा प्रणाली बनी उद्योग के लिए मिसाल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने वित्तीय वर्ष 2026 में लगातार दूसरे वर्ष शून्य सुरक्षा दुर्घटनाएं और शून्य चोरी की घटनाएं दर्ज करते हुए सुरक्षा प्रदर्शन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इन उपलब्धियों के पीछे सुरक्षा टीम के समर्पण और प्रतिबद्धता को सम्मानित करने के लिए कंपनी ने 'बड़ा खाना 2026' के तीसरे संस्करण का आयोजन किया।

वित्तीय वर्ष 2026 के दौरान बालको ने कुल घटनाओं में लगभग 15 प्रतिशत की कमी दर्ज की और बिना किसी संचालन बाधा के सफल रिकवरी सुनिश्चित की। यह उपलब्धि एक सुदृढ़ सुरक्षा ढांचे के माध्यम से संभव हुई, जिसमें तकनीक-सक्षम निगरानी, डेटा-आधारित विश्लेषण और अनुशासित क्रियान्वयन को संयोजित किया गया। इस दौरान 55 लाख से अधिक बालको एवं व्यावसायिक साझेदार कर्मचारियों की आवाजाही और 1.25 लाख से अधिक वाहन गतिविधियों की निगरानी उन्नत सर्विलांस सिस्टम और जीपीएस ट्रैकिंग के जरिए की गई। साथ ही 1500 से अधिक 'सुरक्षा मित्रों' से प्राप्त रियल-टाइम इंटेलिजेंस के आधार पर लगभग 37 प्रतिशत संभावित घटनाओं को पहले ही रोका गया, जो सामुदायिक सहभागिता आधारित सतर्कता मॉडल की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

सुरक्षा को एक रणनीतिक सक्षमकर्ता के रूप में स्थापित करते हुए 'बड़ा खाना 2026' में 200 से अधिक बालको कर्मचारी, व्यावसायिक साझेदार और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। यह पहल सुरक्षा कार्यप्रणाली में जवाबदेही, अनुशासन और सक्रिय जोखिम प्रबंधन को पहचानने और प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण मंच रही।

बालको के सीईओ राजेश कुमार सिंह ने कहा कि हमारे लिए 'जीरो हानि' और उत्कृष्टता केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि हमारी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो हर निर्णय और कार्य को दिशा देता है। तकनीक के बेहतर उपयोग, मजबूत प्रक्रियाओं और साझा जिम्मेदारी की भावना के साथ हम सुरक्षा और संरक्षा के क्षेत्र में लगातार अच्छे और स्थिर परिणाम हासिल कर रहे हैं। हमारी टीम का समर्पण और अनुशासन इस सफलता की मुख्य ताकत है। आने वाले समय में हम अपने सिस्टम को और उन्नत करेंगे। साथ ही नई तकनीकों को अपनाएंगे और संभावित जोखिमों को पहले से पहचानने की क्षमता बढ़ाएंगे, ताकि कार्यस्थल को और अधिक सुरक्षित और सुदृढ़ बनाया जा सके।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं, जिनमें नृत्य और संगीत के साथ-साथ सेंट्रल सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (सीएसओसी) टीम द्वारा अग्नि सुरक्षा जागरूकता पर आधारित नाट्य प्रस्तुति शामिल थी। सम्मान समारोह के दौरान विभिन्न व्यक्तियों और टीमों को घटना रोकथाम, आपातकालीन प्रतिक्रिया और संचालन अनुशासन में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया।

कंपनी ने सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए स्वचालित निगरानी और सख्त अनुपालन तंत्र लागू किए हैं। फायर एवं रेस्क्यू टीमों ने जिला प्रशासन के सहयोग से मॉक ड्रिल आयोजित कर आपातकालीन तैयारी को मजबूत किया। इसके साथ ही, 5500 से अधिक लोगों को अग्नि सुरक्षा, सीपीआर और आपातकालीन प्रतिक्रिया का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

बालको की सुरक्षा प्रणाली उन्नत तकनीक और समावेशी पहलों के माध्यम से निगरानी, त्वरित प्रतिक्रिया और अनुपालन को सशक्त बनाती है। इसमें पूर्णतः महिला संचालित सीएसओसी शामिल है, जिसमें 11 ट्रांसजेंडर कर्मियों की भागीदारी है। साथ ही 1600 से अधिक एआई-आधारित कैमरे, 59 वाहनों की जीपीएस आधारित निगरानी, क्यूआर कोड आधारित पेट्रोलिंग और एक समर्पित त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी) कार्यरत है। इस व्यवस्था को 14 प्रशिक्षित डॉग स्क्वाड, 100 प्रतिशत बायोमेट्रिक एक्सेस कंट्रोल और प्रभावी समन्वय के लिए एकीकृत संचार प्रणालियों का मजबूत सहयोग प्राप्त है, जिससे सुरक्षा तंत्र और अधिक सुदृढ़ और भरोसेमंद बनता है।बालको सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने, तकनीक के उपयोग को विस्तार देने और सुरक्षा संस्कृति को संस्थागत रूप से और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि एक सुरक्षित, सुदृढ़ और भविष्य-तैयार संचालन तंत्र सुनिश्चित किया जा सके।

सम्मान:ज्योति साहू ने 84.2 अंक अर्जित कर किया नाम रोशन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

माध्यमिक शिक्षा मंडल सीजीबीएसई के 10वीं एवं 12वीं बोर्ड में 80 प्रतिशत अंक से ऊपर अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों का राजीव गांधी आडिटोरियम में सम्मान समारोह आयोजित किया गया और महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के मुख्य आतिथ्य में जिले भर के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में सीईओ दिनेश नाग, एसपी सिद्धार्थ तिवारी, पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति रही। साडा कन्या विद्यालय कोरबा की होनहार छात्रा एवं एनएसएस की लीडर ज्योति साहू को भी सम्मानित किया गया। कला संकाय 12वीं में उन्हें 84.2 अंक मिला है।

सेजस अयोध्यापुरी का तीन सालों से 10वीं का परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत

कोरबा/जमनीपाली (दिव्य आकाश)। 10वीं बोर्ड में स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम एक्सीलेंट स्कूल अयोध्यापुरी का परीक्षा परिणाम गत तीन सालों से शतप्रतिशत रहा है। इस बार भी इस विद्यालय ने 100 प्रतिशत सफलता पाई है। कुल 19 विद्यार्थियों में से 18 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी से परीक्षा पास की है और सिर्फ 01 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुआ। प्राचार्य जे आर बी आनंद के कुशल नेतृत्व, विषय व्याख्याताओं की मेहनत एवं एसएमडीसी की सक्रिय भागीदारी होने से स्कूल का परीक्षा परिणाम हर साल उत्कृष्ट आता रहा है। प्राचार्य श्रीमती आनंद ने सभी सफल विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की है और सभी के उज्वल भविष्य की कामना की है। कुमारी प्रियंका कुर्रे 92 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय में प्रथम रहीं और 85 प्रतिशत अंक अर्जित कर शिवानी मरकाम द्वितीय एवं 84 प्रतिशत अंक के साथ कुमारी सुमन साह तृतीय स्थान पर रहीं।

टॉप टेन में लाने होगा प्रयास- प्राचार्य श्रीमती आनंद

विद्यालय की प्राचार्य जेआरबी आनंद ने कहा कि आगामी सत्र में ऐसा प्रयास किया जाएगा कि यहां के विद्यार्थी टॉप टेन में अपना स्थान बनाएं।

राजनीति

कमाल:छाया कमल दीदीगिरी खत्म

पांच राज्यों में शांतिपूर्ण मतदान भी कमाल था और अब मतगणना भी कमाल का आया। 15 साल की दीदीगिरी खत्म हो गई और पहली बार पश्चिम बंगाल में कमल खिल गया, कमाल हो गया। सबसे ज्यादा कमाल तमिलनाडु में हुआ और सुपरस्टार विजय थालापति राजनीति में भी सुपरस्टार साबित हुए, हालांकि वे बहुमत से कुछ दूर हैं, लेकिन सीएम बनना तय है। केरल में पंजा ने कमाल दिखाया। असम में फिर से भाजपा की वापसी हुई है। पांडुचेरी में भी सीएम एन रंगास्वामी (एआईएनआरसी) नीत एनडीए की सरकार बनने जा रही है। पिछली बार से इस बार एनडीए की ज्यादा सीट आ रही है। इन 05 राज्यों में मोदी ने कमाल का चुनाव प्रचार किया। पश्चिम बंगाल में 15 साल से दीदी का अभेद्य किला को मोदी ने ढहा दिया। भ्रष्टाचार पर घुसपैठ पर चारों तरफ से दीदी की घेराबंदी से दीदीगिरी खत्म हुई और कमल खिला।

-संपादक

'बगिया से बस्तर' तक गूंजा सुशासन का स्वर

जनता से सीधा संवाद बना विश्वास का आधार

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत जनता का विश्वास होता है। सरकारें योजनाएं बनाती हैं, बजट प्रस्तुत करती हैं और विकास के दावे करती हैं, लेकिन इन सबकी सार्थकता तभी सिद्ध होती है जब उनका लाभ आम नागरिक तक पहुंचे और लोग स्वयं अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन महसूस करें। छत्तीसगढ़ में इसी सोच को साकार करने के लिए 'सुशासन तिहार' जैसे अभिनव अभियान की शुरुआत की गई है।

1 मई से 10 जून तक चलने वाला यह 40 दिवसीय अभियान शासन को सीधे जनता के द्वार तक ले जाने का एक प्रभावी प्रयास है। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी गांव-गांव और शहरों के वार्डों में पहुंचकर आमजन की समस्याएं सुन रहे हैं और उनका समाधान कर रहे हैं। खास बात यह है कि यह पहल केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि संवाद, सहभागिता और समाधान पर केंद्रित है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की इस अभियान में सक्रिय भागीदारी इसे और अधिक प्रभावशाली बनाती है। उनका विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर जमीनी हकीकत का आकलन करना और आम जनता से सीधा संवाद करना यह दर्शाता है कि नेतृत्व केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भी प्रतिबद्ध है। तेज गर्मी और प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच उनकी यह सक्रियता प्रशासनिक तंत्र के लिए भी एक प्रेरणा है।

'सुशासन तिहार' का मूल उद्देश्य शासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुख बनाना है। जब अधिकारी सीधे गांवों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं, तो न केवल वास्तविक स्थिति स्पष्ट होती है, बल्कि लोगों के भीतर यह विश्वास भी मजबूत होता है कि उनकी आवाज़ सुनी जा रही है। इस प्रकार की पहल प्रशासन में संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व दोनों को सुदृढ़ करती है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे 'लोगों की सुनें, उन्हें सुनाएं नहीं' की भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशासनिक अधिकारियों का व्यवहार ही शासन की छवि तय करता है। इसलिए आमजन के साथ संवाद करते समय शालीनता, धैर्य और सम्मान अनिवार्य होना चाहिए। जब कोई नागरिक शासकीय कार्यालय पहुंचे, तो उसे यह अनुभव होना चाहिए कि उसकी बात गंभीरता से सुनी जा रही है।

प्रदेश में आयोजित समाधान शिविर इस अभियान की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जहां पंचायत और वार्ड स्तर पर लोगों से आवेदन लेकर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसमें जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है, जिससे शासन और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो रहा है।

हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता उसके दीर्घकालिक प्रभाव और निरंतरता पर निर्भर करती है। निश्चित ही राज्य सरकार 'सुशासन तिहार' से प्राप्त अनुभवों के आधार पर प्रशासनिक व्यवस्था में स्थायी सुधार करेंगे और यह संवाद की यह प्रक्रिया भी लगातार जारी रहेगी। 'सुशासन तिहार' एक अभियान नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह इस बात का संकेत है कि यदि शासन और जनता के बीच विश्वास, संवाद और संवेदनशीलता बनी रहे, तो विकास की राह न केवल सशक्त होती है, बल्कि अधिक समावेशी बनेगी।

जसं छत्तीसगढ़ शासन।

'जय बिहान' से आत्मनिर्भरता तक

बलरामपुर में महिला सशक्तिकरण की बदलती तस्वीर के साक्षी बने मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने बलरामपुर जिला प्रवास के दौरान ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETI) पहुंचे, जहां उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं और युवाओं से आत्मीय संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रशिक्षण कक्ष में प्रवेश करते ही मुख्यमंत्री ने 'जय बिहान' कहकर अभिवादन किया, जिससे पूरे वातावरण में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। उन्होंने प्रशिक्षण गतिविधियों का अवलोकन करते हुए विशेष रूप से पशु सखियों और 'लखपति दीदी' से बातचीत कर उनके अनुभवों को जाना। संवाद के दौरान ग्राम केवली की अनुराधा गुप्ता ने बताया कि बिहान योजना से जुड़कर वे पशु सखी के रूप में गांव में पशुओं का सर्वे, उपचार में सहयोग और जागरूकता का कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने इस बदलाव को नजदीक से महसूस किया और कहा कि कौशल विकास और प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि गांव की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि RSETI के माध्यम से जिले में अब तक 16 बैचों में 510 प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार हेतु तैयार किया जा चुका है।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में स्व-सहायता समूहों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। यहां उन्होंने विभिन्न समूहों की महिलाओं से संवाद करते हुए उनके उत्पादों और अनुभवों की जानकारी ली। कोमल स्व-सहायता समूह की श्रीमती पूर्णिमा बासिन ने बताया कि बैंक लिंकेज और CIF के माध्यम से प्राप्त ऋण से उन्होंने जैविक खेती शुरू की और जीराफूल चावल का उत्पादन कर एक वर्ष में 3 लाख रुपये की बिक्री की है। मुख्यमंत्री ने उनकी इस सफलता की सराहना करते हुए 5 समूहों को 21 लाख रुपये के चेक प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाएं जमीन पर बदलाव की स्पष्ट तस्वीर बनकर सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर रही हैं और स्थानीय उत्पादों को प्रदेश स्तर तक पहचान मिल रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनपद पंचायत वाड्रफनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत कछिया की सरपंच श्रीमती खुशबू सिंह एवं सचिव श्रीमती सुनीता मरावी को बाल हितैषी पंचायत श्रेणी में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि जब महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिलता है, तो वे समाज के सबसे महत्वपूर्ण वर्ग—बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता देते हुए विकास की नई दिशा तय करती हैं।

उन्होंने विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़ के गांवों में महिलाओं की यह भागीदारी राज्य को आत्मनिर्भरता और समृद्धि की ओर तेजी से आगे बढ़ाएगी।

जसं छत्तीसगढ़ शासन

नोबेल शांति की रेस में भारत के 'पैडमैन'

नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किए जाने पर मुरुगनाथम ने कहा- शुरू में मुझे यकीन ही नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा- नोबेल पुरस्कार के लिए आप अपना नाम खुद नहीं भेज सकते, न ही आपके दोस्त या परिवार वाले भेज सकते हैं। यह किसी तीसरे पक्ष द्वारा ही भेजा जाना चाहिए। पुडुचेरी के अरविंद आई हॉस्पिटल के एक डीन और वहां काम कर रही अमेरिकी टीमों ने नोबेल के लिए मेरा नाम भेजा। 24 घंटे के अंदर ही इसे स्वीकार कर लिया गया। मुझे सच में बहुत गर्व है।

कौन हैं अरुणाचलम मुरुगनाथम ?

अरुणाचलम मुरुगनाथम तमिलनाडु के कोयंबटूर के एक सामाजिक उद्यमी हैं। सड़क हादसे में पिता की मौत के बाद मुरुगनाथम गरीबी में पले-बढ़े, जिस कारण से 14 साल की उम्र में ही पढ़ाई छुट गई। परिवार का भरण-पोषण के लिए उन्हें मजूदरी करनी पड़ी। कारखाने में काम करना पड़ा।

सस्ते सैनिटरी पैड बनाने वाली मशीन का आविष्कार

अरुणाचलम मुरुगनाथम ने समाज से लड़ते हुए सस्ते सैनिटरी पैड बनाने वाली मशीन का आविष्कार किया। उन्होंने देखा कि उनकी पत्नी और ग्रामीण महिलाएं पीरियड्स के दौरान महंगे पैड न खरीद पाने के कारण गंदे कपड़े, राख या पत्तों का इस्तेमाल करती थीं, जिससे बीमारियां होने का खतरा रहता था। तब उन्होंने सस्ते सैनिटरी पैड बनाने वाली मशीन पर रिसर्च शुरू किया, लेकिन इसके लिए कोई भी महिला तैयार नहीं हुई। थक-हारकर उन्होंने खुद पर सैनिटरी पैड लागकर और कृत्रिम खून लगाकर पैड का टेस्ट किया। इस वजह से उन्हें सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ा। उन्हें पागल बोलकर पत्नी और मां ने छोड़ दिया। बाद में जब सफलता मिली तो मां और पत्नी वापस आ गईं।

अरुणाचलम मुरुगनाथम के जीवन संघर्ष पर बनी फिल्म पैडमैन

अरुणाचलम मुरुगनाथम के जीवन संघर्ष पर बॉलीवुड फिल्म पैडमैन बनी। जिसमें मुख्य भूमिका में अक्षय कुमार थे। फिल्म को काफी सराहा गया।

अरुणाचलम मुरुगनाथम को मिला पद्मश्री सम्मान

अरुणाचलम मुरुगनाथम को साल 2016 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। 2014 में TIME मैजीन ने उन्हें दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में शामिल किया था। उनकी आविष्कार की गई मशीन से हजारों ग्रामिण महिलाओं को रोजगार मिल रहा है।

तीन राज्यों में कमल खिला तिकड़ी ने कमाल किया

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में मोदी-शाह-नवीन की तिकड़ी की रणनीति ने कमाल कर दिया और तीन राज्यों में कमल खिला दिया। भाजपा के लिए यह बेहद खास चुनाव रहा। खासकर पश्चिम बंगाल में दीदी का अजेय किला ढहाना सबसे बड़ी चुनौती थी और भाजपा ने इस चुनौती को बड़ी चुनौती के रूप में लिया और 2021 के बंगाल चुनाव के बाद से ही पश्चिम बंगाल पर फोकस करना प्रारंभ कर दिया। बीते 05 साल में ममता की दादागिरी से पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई थी। इसके अलावा दीदी के राज में भ्रष्टाचार और घुसपैठ को भाजपा ने इस चुनाव का सबसे बड़ा हथियार बनाया और पांच साल पहले से ही भाजपा की तिकड़ी ने दीदी को चारों तरफ से घेरना प्रारंभ किया और मोदी स्वयं पश्चिम बंगाल की कमान अपने हाथों में ली। पश्चिम बंगाल को केन्द्र से बड़ी-बड़ी योजनाओं की जहां सौगात दी गई, वहीं महिला अत्याचार को भाजपा ने इस कदर भुनाया कि महिलाएं भाजपा की ओर रूख करने लगी और 2026 में भाजपा के लिए सुखद परिणाम आया। बंगाल में खेला हो गया... कमल खिल गया। 25 साल लेफ्ट की सरकार को ध्वस्त कर ममता ने बंगाल में एंट्री की, तब केन्द्र में अटल जी की सरकार की ममता को छत्रछाया थी। अब बंगाल से ममता युग समाप्त हो गया। सुपरस्टार विजय थालापति ने एक्जिटपोल को ध्वस्त किया और राजनीति में भी सुपरस्टार साबित हुए। 110 सीट के साथ उनकी टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बन गई। पांडुचेरी और असम में भाजपा की जबर्रदस्त वापसी हुई है। केरलम् में कांग्रेस को जीत मिली है। तीन राज्यों में खासकर बंगाल में भाजपा की बड़ी जीत ने देश के भाजपा कार्यकर्ताओं का हौसला आसमान तक पहुंचा दिया। आज का दिन भाजपा के लिए स्वर्णीम दिन साबित हुआ।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

सारा अली खान को 'पति पत्नी और वो 2' के ट्रेलर लॉन्च पर होस्ट की बात लगी अजीब, बोलीं- 'ये क्या बोल रहा है'

फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' के ट्रेलर लॉन्च पर होस्ट ने सेलिब्रिटीज को लेकर एक अजीब कमेंट कर दिया। होस्ट की यह बात सुनकर सारा अली खान को गुस्सा आ गया और उनका रिएक्शन अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

मुंबई में शनिवार को फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' का ट्रेलर लॉन्च इवेंट बड़े ही धूमधाम से रखा गया था। इस खास मौके पर फिल्म की मुख्य स्टार कास्ट सारा अली खान, आयुष्मान खुराना, रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी मौजूद थे। इवेंट में सब कुछ बहुत अच्छा चल रहा था, लेकिन तभी होस्ट ने कुछ ऐसा कह दिया, जिससे माहौल थोड़ा बिगड़ गया। होस्ट की एक बात सारा अली खान को बिल्कुल पसंद नहीं आई और उन्होंने तुरंत अपनी नाराजगी जाहिर की।

होस्ट ने आखिर क्या कहा था ?

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि सारा, रकुल और आयुष्मान के साथ बैठी हुई हैं। तभी इवेंट का होस्ट मजाक करते हुए कहता है कि आजकल पैपराजी किसी सेलिब्रिटी की पीछे से फोटो (बैकशॉट) डालते हैं और पहचानो कौन लिखते हैं। होस्ट ने आगे कहा कि वह झूठ नहीं बोल रहा है, वह सभी सेलिब्रिटीज को पीछे से पहचान लेता है और उसने इस काम में बहुत समय बिताया है। होस्ट की यह वाहियात बात सुनते ही सारा अली खान के चेहरे के भाव बदल गए।

सारा अली खान का वायरल रिएक्शन

होस्ट की यह बात सुनकर सारा अली खान काफी असहज महसूस करने लगीं। उन्होंने तुरंत रकुल प्रीत सिंह की तरफ मुड़कर नाराजगी भरे लहजे में पूछा, ये क्या बोल रहा है। सारा के चेहरे पर साफ दिख रहा था कि उन्हें होस्ट का यह मजाक बहुत ही अजीब और गलत लगा। अब सारा का यही रिएक्शन वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है और लोग इस पर तरह-तरह की कमेंट कर रहे हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म ?

फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है। यह फिल्म साल 2019 में आई 'पति पत्नी और वो' का अगला हिस्सा है। दर्शक इस फिल्म का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

समंदर किनारे दिखा लव गोल्स, Sidharth and Kiara ने शेयर की स्पेशल Pictures

श्रीदेवी की ड्रेस डिजाइनर 'अग्नि' सुई-धागा छोड़ कैसे बनीं राजनीति की 'अग्नि दीदी', पढ़ें पूरी कहानी

भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल के जीवन का वो सफर, जिसके बारे में लोगों को बहुत कम पता है। कैसे एक मशहूर फैशन डिजाइनर ने सायोनी घोष को हराकर राजनीति में अपना दबदबा बनाया। पढ़ें बीजेपी की 'अग्नि दीदी' की एक्सक्लूसिव कहानी।

भाजपा कार्यकर्ताओं की 'अग्नि दीदी'

बंगाल की राजनीति में कुछ चेहरे ऐसे हैं, जो अपनी ग्लैमरस दुनिया को छोड़कर जनसेवा के कांटों भरे रास्ते पर चलने का साहस दिखा रहे हैं। इन्हीं में से एक बड़ा नाम है अग्निमित्रा पॉल। कभी श्रीदेवी जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों के लिए कपड़े डिजाइन करने वाली अग्निमित्रा आज बंगाल बीजेपी की सबसे मुखर और जुझारू आवाजों में से एक हैं। विधानसभा के भीतर सत्ता पक्ष को घेरना हो या सड़कों पर उतरकर आंदोलन करना, अग्निमित्रा ने बहुत कम समय में खुद को बीजेपी की 'हल्ला ब्रिगेड' का अहम हिस्सा बना लिया है।

फिल्मी हस्तियों के ड्रेस डिजाइन करने वाली अग्निमित्रा पॉल के जीवन की शुरुआत भी किसी फिल्मी पटकथा जैसी ही है। आसनसोल के जाने-माने डॉक्टर अशोक रॉय की बेटी होने के नाते अग्निमित्रा बचपन में डॉक्टर बनने का सपना देखती थीं। उन्हें लगता था कि स्टेथोस्कोप ही उनका भविष्य होगा।

किस्मत उन्हें बॉटनी की किताबों से दूर फैशन जगत में ले गयी। उन्होंने सुई-धागा थाम लिया और देखते ही देखते कोलकाता की पेज-3 पार्टियों और सेलिब्रिटी सर्कल का बड़ा नाम बन गयीं। उनके करियर का सबसे बड़ा पल तब आया, जब उन्हें अपनी पसंदीदा अभिनेत्री श्रीदेवी के लिए ड्रेस डिजाइन करने का मौका मिला। ग्लैमर की दुनिया में सफलता के शिखर पर रहते हुए अग्निमित्रा ने 2019 में राजनीति में कदम रखा। मुकुल रॉय और कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का दामन थामा। इसके बाद वह डिजाइनर से सीधे एक जुझारू नेता के अवतार में आ गयीं। 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने उन पर भरोसा जताते हुए आसनसोल दक्षिण से टिकट दिया। पहली बार चुनावी मैदान में उतरी अग्निमित्रा पॉल ने टीएमसी उम्मीदवार और अभिनेत्री सायोनी घोष को हराया।

लघु कविता

पर्वत चुप रहते हैं

पर्वत पर चढ़कर
इतराने वाले भी कहते हैं
पर्वत चुप रहते हैं ।

कोई सड़क, सुरंग बनाए
कोई पूजे या गरियाए
लेकिन पौरुष का प्रस्तावन
क्षुद्र प्रहारक जान न पाए

ऐसे दुख-सुख सहज भाव से
पर्वत ही सहते हैं...
पर्वत चुप रहते हैं ।

रीझे गगन-गन्ध के ऊपर
इसीलिए कहलाए भूधर
बादल का दल, गल जाता है
जिसके रजत शिखर को छूकर

अपनी ऊँचाई से ऊँचे
सत्यमेव जयते हैं...
पर्वत चुप रहते हैं ।

क़दम मिला कर चलना होगा

क़दम मिला कर चलना होगा
बाधाएँ आती हैं आएँ
घिरें प्रलय की घोर घटाएँ,
पावों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ,
निज हाथों में हँसते-हँसते,
आग लगाकर जलना होगा।
क़दम मिलाकर चलना होगा।

हास्य-रूदन में, तूफ़ानों में,
अगर असंख्यक बलिदानों में,
उद्यानों में, वीरानों में,
अपमानों में, सम्मानों में,
उन्नत मस्तक, उभरा सीना,
पीड़ाओं में पलना होगा।
क़दम मिलाकर चलना होगा।

उजियारे में, अंधकार में,
कल कहार में, बीच धार में,
घोर घृणा में, पूत प्यार में,
क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में,
जीवन के शत-शत आकर्षक,
अरमानों को ढलना होगा।
क़दम मिलाकर चलना होगा।

सम्मुख फैला अगर ध्येय पथ,
प्रगति चिरंतन कैसा इति अब,
सुस्मित हर्षित कैसा श्रम श्लथ,
असफल, सफल समान मनोरथ,
सब कुछ देकर कुछ न मांगते,
पावस बनकर ढलना होगा।
क़दम मिलाकर चलना होगा।

कुछ काँटों से सज्जित जीवन,
प्रखर प्यार से वंचित यौवन,
नीरवता से मुखरित मधुबन,
परहित अर्पित अपना तन-मन,
जीवन को शत-शत आहुति में,
जलना होगा, गलना होगा।
क़दम मिलाकर चलना होगा।

भारत रत्न
अटल बिहारी वाजपेयी
पूर्व प्रधानमंत्री
भारत सरकार

Google का 15 अरब डॉलर AI डेटा सेंटर

विशाखापत्तनम बनेगा नया टेक हब

विशाखापत्तनम, एजेंसी।

Google का मेगा AI डेटा सेंटर प्रोजेक्ट विशाखापत्तनम को AI सिटी में बदल सकता है। जानें इसकी क्षमता, निवेश, और कैसे बदलेगा भारत का डिजिटल और टेक भविष्य।

भारत की डिजिटल दौड़ अब एक नए स्तर पर पहुंचने वाली है। Google के 15 अरब डॉलर के मेगा एआई डेटा सेंटर प्रोजेक्ट ने देश के टेक मैप पर बड़ा बदलाव संकेत दिया है। केंद्रीय मंत्री Ashwini Vaishnaw के मुताबिक इस प्रोजेक्ट के पूरा होते ही Visakhapatnam एक उभरता हुआ AI हब बन जाएगा। यह सिर्फ एक डेटा सेंटर नहीं, बल्कि भारत के डिजिटल भविष्य की नई नींव माना जा रहा है।

विशाखापत्तनम बनेगा एआई सिटी

आंध्र प्रदेश के तारलुवाड़ा इलाके में इस बड़े प्रोजेक्ट की शुरुआत हो चुकी है। सरकार का कहना है कि यह हाइपरस्केल डेटा सेंटर शहर की पहचान बदल देगा। AI आधारित सेवाओं, स्टार्टअप्स और टेक कंपनियों के लिए यह नया केंद्र बन सकता है।

मंत्री ने साफ कहा कि यह प्रोजेक्ट भारत को ग्लोबल AI रेस में मजबूत स्थिति दिलाने में मदद करेगा। आने वाले समय में विशाखापत्तनम सिर्फ एक पोर्ट सिटी नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी इनोवेशन का बड़ा केंद्र बन सकता है।

कितना बड़ा है यह प्रोजेक्ट ?

यह डेटा सेंटर करीब 1 गीगावाट क्षमता का होगा, जो इसे भारत के सबसे बड़े टेक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में शामिल करता है। इस प्रोजेक्ट को AdaniConneX और Airtel Nxtra के साथ मिलकर विकसित किया जा रहा है।

इसके लिए करीब 600 एकड़ जमीन आवंटित की गई है, जिससे साफ है कि इसका स्केल कितना बड़ा है। इतना बड़ा निवेश भारत में डेटा प्रोसेसिंग और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर को नई ताकत देगा।

एआई और डिजिटल सेवाओं में बड़ा बदलाव

AI का असर अब शिक्षा, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स और खेती तक पहुंच चुका है। इस डेटा सेंटर के जरिए इन सभी सेक्टर में बेहतर और तेज सेवाएं मिल सकती हैं।

बड़े पैमाने पर डेटा प्रोसेसिंग होने से कंपनियों को भारत में ही एडवांस AI सॉल्यूशंस विकसित करने का मौका मिलेगा। इससे देश में टेक इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम को भी बड़ा बूस्ट मिल सकता है।

ग्लोबल कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर असर

इस प्रोजेक्ट के साथ समुद्री केबल नेटवर्क भी जोड़ा जा रहा है, जिससे भारत की कनेक्टिविटी यूरोप, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और अमेरिका तक मजबूत होगी।

सरकार का मानना है कि यह कदम भारत को डिजिटल और सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में ग्लोबल हब बनाने की दिशा में आगे बढ़ाएगा। साथ ही, टेक कंपनियों को देश में सर्वर और GPU निर्माण के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

भारत की टेक पावर को मिलेगा नया बूस्ट

भारत पहले ही आईटी सर्विसेज में दुनिया में मजबूत पहचान बना चुका है। अब फोकस इलेक्ट्रॉनिक्स और चिप मैन्युफैक्चरिंग पर है।

सरकार की नीतियां और बड़े निवेश मिलकर भारत को एक भरोसेमंद टेक्नोलॉजी पार्टनर बना रहे हैं। ऐसे में यह डेटा सेंटर प्रोजेक्ट सिर्फ एक इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल ताकत का प्रतीक बन सकता है।

iPhone की छुट्टी ? OpenAI ला रहा नया स्मार्टफोन मॉडल, ऐप्स नहीं, AI करेगा सब काम

टेक दुनिया में एक बड़ा बदलाव दस्तक दे सकता है। अब तक स्मार्टफोन ऐप्स के दम पर चलते रहे हैं, लेकिन आने वाले समय में यह पूरा सिस्टम बदल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक OpenAI एक ऐसा स्मार्टफोन बनाने की तैयारी में है, जिसमें ऐप्स की जरूरत ही खत्म हो सकती है। यह फोन AI एजेंट्स पर आधारित होगा, जो यूजर की आदतों को समझकर खुद फैसले लेगा। अगर ऐसा होता है, तो यह सीधे तौर पर iPhone जैसे मौजूदा मॉडल को चुनौती दे सकता है।

ऐप्स नहीं, AI एजेंट्स होंगे गेम चेंजर

अब तक स्मार्टफोन का पूरा इकोसिस्टम ऐप्स के इर्द-गिर्द घूमता है। चाहे सोशल मीडिया हो, बैंकिंग या शॉपिंग, हर काम के लिए अलग ऐप चाहिए। लेकिन OpenAI का विजन इससे बिल्कुल अलग है। कंपनी ऐसे AI एजेंट्स पर काम कर रही है जो यूजर के व्यवहार को सीखेंगे और जरूरत के हिसाब से खुद काम करेंगे। यानी आपको ऐप खोलने की जरूरत नहीं पड़ेगी, AI खुद काम पूरा कर देगा।

कैसे काम करेगा नया स्मार्टफोन मॉडल

इस नए कॉन्सेप्ट में स्मार्टफोन एक तरह का पर्सनल असिस्टेंट बन जाएगा। AI एजेंट्स आपके रोजमर्रा के पैटर्न को समझेंगे। जैसे कब आपको कैब बुक करनी है, कब मीटिंग है या कौन सा मैसेज जरूरी है। ये एजेंट्स खुद ही फैसले लेकर काम पूरा करेंगे। यह मॉडल मौजूदा ऐप-बेस्ड सिस्टम से पूरी तरह अलग होगा, जिसे अभी Apple और Google आगे बढ़ाते हैं।

हार्डवेयर में भी बड़े पार्टनर जुड़ सकते हैं

इंडस्ट्री एनालिस्ट Ming-Chi Kuo के अनुसार, OpenAI इस स्मार्टफोन के लिए खास चिपसेट भी डेवलप कर सकता है। इसमें Qualcomm और MediaTek जैसे बड़े नाम शामिल हो सकते हैं। वहीं Luxshare मैन्युफैक्चरिंग और डिजाइन में सहयोग दे सकती है। यह दिखाता है कि प्रोजेक्ट सिर्फ सॉफ्टवेयर तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरा हार्डवेयर इकोसिस्टम भी नया होगा।

iPhone मॉडल से कितना अलग होगा ये फोन

आज का iPhone थर्ड पार्टी ऐप्स पर आधारित है। ऐप स्टोर इसका सबसे बड़ा स्ट्रेंथ रहा है। लेकिन OpenAI का प्लान इस मॉडल को पूरी तरह बदलने का है। अगर AI एजेंट्स सफल होते हैं, तो यूजर को ऐप्स इंस्टॉल करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। इससे डेवलपर्स और ऐप इंडस्ट्री पर भी बड़ा असर पड़ सकता है।

क्या बदल सकता है स्मार्टफोन का भविष्य ?

अगर यह प्रोजेक्ट सफल होता है, तो स्मार्टफोन यूज करने का तरीका पूरी तरह बदल सकता है। यूजर को कम मेहनत करनी होगी और ज्यादा काम ऑटोमैटिक तरीके से होगा। हालांकि यह टेक्नोलॉजी अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन इसका असर आने वाले सालों में पूरी इंडस्ट्री पर दिख सकता है। एजेंसी।

AI ने संभाली ज्योतिष की कुर्सी, हाथ देखकर बता रहा भविष्य, ChatGPT का नया ट्रेंड वायरल

कुछ ही दिनों में सोशल मीडिया पर एक नया ट्रेंड तेजी से वायरल हो गया है, जहां लोग अपने हाथ की फोटो अपलोड करके AI से भविष्य जान रहे हैं। ChatGPT की नई इमेज टेक्नोलॉजी ने इस ट्रेंड को इतना आसान और आकर्षक बना दिया है कि अब बिना किसी ज्योतिषी या हस्तरेखा विशेषज्ञ के, लोग खुद ही अपनी लाइफ एनालिसिस करवा रहे हैं। खास बात यह है कि यह AI सिर्फ बातें नहीं करता, बल्कि आपके हाथ की लाइनों पर पूरा इन्फोग्राफिक बनाकर समझाता भी है।

ChatGPT Images 2.0 ने बदला गेम, सिर्फ फोटो से पूरी रीडिंग

OpenAI के नए इमेज मॉडल ने AI की क्षमता को एक कदम आगे बढ़ा दिया है। अब यह सिर्फ टेक्स्ट जवाब देने तक सीमित नहीं है, बल्कि विजुअल एक्सप्लेनर भी तैयार करता है। अगर आप अपने हाथ की तस्वीर अपलोड करते हैं, तो यह आपकी लाइफ लाइन, हार्ट लाइन और फिंगर शेप्स को पहचानकर उनके ऊपर लेबलिंग करता है और साथ में एक डिटेल्ड एनालिसिस देता है।

इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यूजर को एक साफ और समझने में आसान विजुअल गाइड मिलती है, जो आमतौर पर किसी प्रोफेशनल से मिलने पर ही संभव होती है।

यूजर्स के लिए क्यों बना इतना वायरल और मजेदार

इस ट्रेंड के पीछे सिर्फ टेक्नोलॉजी नहीं, बल्कि उसका एंटरटेनमेंट फैक्टर भी है। लोग अलग-अलग स्टाइल में AI से जवाब मांग रहे हैं, जैसे सख्त गुरु बनकर बताओ, वैज्ञानिक तरीके से समझाओ या मजेदार अंदाज में रीडिंग दो।

AI हर बार अलग टोन में जवाब देता है, जिससे यह और ज्यादा शेयर करने लायक कंटेंट बन जाता है। यही वजह है कि यह ट्रेंड तेजी से इंस्टाग्राम, ट्विटर और शॉर्ट वीडियो प्लैटफॉर्म पर फैल रहा है।

कितना सटीक है AI का पाम रीडिंग दावा

यहां थोड़ा रुककर सोचने की जरूरत है। पाम रीडिंग खुद एक ऐसा विषय है जिसकी वैज्ञानिक पुष्टि नहीं है। ऐसे में AI द्वारा दी गई जानकारी को पूरी तरह सच मानना सही नहीं होगा।

असल में, ChatGPT की रीडिंग अक्सर ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करती है जो लगभग हर किसी पर फिट बैठते हैं, जैसे आप महत्वाकांक्षी हैं, आपमें भावनात्मक गहराई है। यह एक तरह का जनरलाइज्ड पैटर्न है, जो यूजर को पर्सनल लगता है।

क्या AI सच में ले लेगा ज्योतिषियों की जगह

फिलहाल ऐसा कहना जल्दबाजी होगी कि AI पारंपरिक ज्योतिष या हस्तरेखा विशेषज्ञों को रिप्लेस कर देगा। लेकिन यह जरूर है कि AI ने इस अनुभव को ज्यादा आसान, विजुअल और इंटरएक्टिव बना दिया है। अब लोग बिना किसी फीस के, घर बैठे एक डिजिटल रीडिंग ले सकते हैं। यही चीज इसे खास बनाती है और आने वाले समय में ऐसे और भी ट्रेंड देखने को मिल सकते हैं।

मजेदार ट्रेंड, लेकिन आंख बंद करके भरोसा करना सही नहीं

AI की यह नई क्षमता टेक्नोलॉजी की ताकत जरूर दिखाती है, लेकिन इसे मनोरंजन के रूप में लेना ज्यादा समझदारी होगी। जैसे हम राशिफल को हल्के-फुल्के अंदाज में पढ़ते हैं, वैसे ही इस AI पाम रीडिंग को भी देखें।

टेक्नोलॉजी का यह नया रूप दिलचस्प जरूर है, लेकिन भविष्य का फैसला अभी भी आपके हाथ में ही है।

युवक की आवश्यकता है
(रिसेप्शनिष्ट)
संपर्क करें -
Snookyard Café
प्रथम मंजिल, अंकिता कॉम्पलेक्स
सुभाष चौक, निहारिका, कोरबा
मो.: 79997-72254
वेतन आकर्षक

|| श्री गणेशम्बिकाभ्याम नमः || श्री धनवन्तरयै नमः ||
आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र
गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला,
गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।
सीएसईबी चौक
दु.नं.-7 शिव हर्बल अल्का कॉम्पलेक्स
स्टेडियम रोड
ट्रांसपोर्ट नगर चौक
मुड़ापार रोड
पंडित रविशंकर शुक्ल मार्ग
पतंजलि श्रीश्री AYURVEDA बैद्यनाथ Dabur SNA ZANDU
सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता
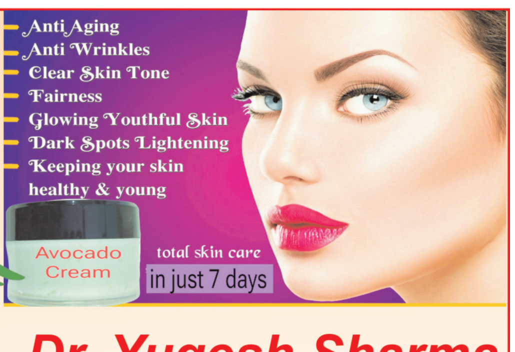

Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16
शराब छुड़ाने की हर्बल दवा
एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...
शिव हर्बल मेडिकल स्टोर
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

वेदांता बालको के योगदान से छत्तीसगढ़ में ग्रामीण आय के स्त्रोतों में हो रही बढ़ोत्तरी

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ को 'भारत का धान का कटोरा' कहा जाता है। धान यहां की मुख्य फसल है। टाटा-कॉर्नेल इंस्टीट्यूट के रिसर्च से पता चलता है कि खरीफ के मौसम में लगभग 85% कृषि भूमि का उपयोग धान उगाने के लिए किया जाता है। अधिकांश किसान बारिश पर निर्भर रहते हैं। यहां सिंचाई की सुविधाएँ बहुत कम हैं, इस वजह से ग्रामीण आय केवल एक ही फसल चक्र पर निर्भर करती है। इससे किसान मौसम में होने वाले बदलावों, बढ़ती लागत और अन्य फसलें उगाने के सीमित विकल्पों के प्रति ज्यादा संवेदनशील हो जाते हैं। कई छोटे और सीमांत किसानों के लिए पूरे साल लगातार आय सुनिश्चित करने के लिए केवल खेती करना ही पर्याप्त नहीं है। इसलिए ध्यान केवल फसल उत्पादन बढ़ाने पर ही नहीं, बल्कि खेती के साथ-साथ आय के कई अन्य स्त्रोत निर्मित करने पर है।

यह वह बदलाव है जो वेदांता बालको के कामकाज वाले क्षेत्रों में हो रहा है। कोरबा, कवर्धा, रायगढ़, रायपुर और सरगुजा ज़िले के 123 गाँवों में बालको के योगदान से अब तक 2 लाख से ज़्यादा लोगों को फ़ायदा पहुँचा है। इसमें जो बात सबसे ज़्यादा ध्यान खींचती है, वह सिर्फ़ इन प्रयासों का स्तर ही नहीं, बल्कि उनके काम करने का तरीका भी है। यहां खेती-बाड़ी, कौशल विकास, महिलाओं द्वारा चलाए जाने वाले उद्यम और सामाजिक बुनियादी ढाँचा आदि ये सभी मिलकर ग्रामीण इलाकों में लोगों की आजीविका को और ज्यादा स्थिर बनाने का काम कर रहे हैं।

निर्भरता से विविधता तक

यह बदलाव अब इन क्षेत्रों में साफ़ तौर पर देखा जा सकता है। ग्रामीण परिवार अब केवल आय के एक ही स्त्रोत पर निर्भर नहीं हैं। वे खेती के साथ अन्य काम और व्यवसाय भी कर रहे हैं।

वेदांता बालको इसी बदलते दृष्टिकोण का पालन करता है। कौशल प्रशिक्षण, महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसाय और शिक्षा कार्यक्रम मिलकर काम करते हैं ताकि ज्यादा स्थिर और नियमित आय के अवसर पैदा किए जा सकें। इसका उद्देश्य खेती की जगह लेना नहीं है, बल्कि खेती के साथ आय के और अतिरिक्त स्त्रोत तैयार करना है। इससे ज्यादा संतुलित ग्रामीण अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिलती है, जहाँ आय ज्यादा स्थिर होती है। अचानक आने वाली समस्याओं का बेहतर ढंग से सामना कर पाते हैं और वे ज्यादा आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य की योजना बना सकते हैं।

यह बदलाव जमीनी स्तर पर भी दिखाई देता है। यह बदलाव सिर्फ़ ज़्यादा आमदनी का नहीं बल्कि ऐसी आजीविका पैदा करने की बात है, जो ज़्यादा सुरक्षित, लचीली और भविष्य के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो।

पारिवारिक आय की स्थिरता के वाहक के रूप में महिलाओं की भूमिका

इस बदलाव के केंद्र में वे महिलाएँ हैं, जो अब अपने परिवारों में सहायक कमाने वाली की भूमिका से मुख्य कमाने वाली की भूमिका की ओर बढ़ रही हैं। 'प्रोजेक्ट उन्नति' के तहत 561 से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाया गया है, जिनमें 6,000 से ज्यादा महिलाएँ शामिल हैं। इसके कारण इस क्षेत्र में समुदाय द्वारा संचालित सबसे मज़बूत स्वयं सहायता समूहों के नेटवर्कों का निर्माण हुआ है। 'पंचसूत्र' सिद्धांतों पर आधारित और वित्तीय साक्षरता, सही बचत और गण प्रणालियों जैसे प्रशिक्षणों से समर्थित ये स्वयं सहायता समूह साधारण बचत समूहों से विकसित होकर आजीविका के सशक्त नेटवर्क बन गए हैं। आज 600 से ज्यादा महिलाएँ छोटे व्यवसायों के माध्यम से कमाई कर रही हैं और छत्तीसगढ़ के 45 से ज्यादा गाँवों में 2,200 से ज्यादा महिलाएँ नैनो-बिजनेस, स्वयं सहायता समूह गण और आजीविका के अन्य कार्यों जैसी आय-सृजन गतिविधियों में शामिल हैं। ये सभी मिलकर घरेलू आय को ज्यादा स्थिर बनाने, समुदायों को ज्यादा सशक्त बनाने तथा स्थानीय आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण वाहक बनने में सहायता कर रही हैं।

यह बदलाव क्लीनला जैसे छोटे व्यवसायों में देखा जा सकता है, जहाँ आठ महिलाओं का एक समूह घर की सफ़ाई के उत्पाद बनाता है। सही ट्रेनिंग, उत्पादन में मदद और अपने उत्पादों को बेचने में सहायता मिलने से अब हर महिला हर महीने लगभग रू.6,000 कमाती है। इससे पता चलता है कि मिलकर काम करने से आय का एक स्थिर जरिया बनाने में कैसे मदद मिल सकती है।

व्यक्तिगत स्तर पर भी इसका असर साफ़ दिखता है। कोरबा ज़िले की विजय लक्ष्मी सारथी ने निजी और आर्थिक मुश्किलों का सामना करने के बाद अपना खुद का बिज़नेस शुरू किया। 'प्रोजेक्ट उन्नति' के तहत मिली ट्रेनिंग और मदद से उन्होंने घर से ही खाने का बिज़नेस शुरू किया और अब हर महीने रू.12,000 से रू.15,000 कमाती हैं। उनकी कहानी एक बड़े बदलाव को दिखाती है, जहाँ महिलाएँ न सिर्फ़ परिवार की आमदनी में हाथ बँटा रही हैं, बल्कि खुद भी कमाने वाली बन रही हैं और अपने परिवारों और समुदायों को आर्थिक रूप से मज़बूत बनाने में मदद कर रही हैं।

वेदांता स्किल स्कूल से ली ट्रेनिंग, अब आर्यन कमा रहे 02 लाख सालाना

कोरबा के पोड़ीबहार के रहने वाले आर्यन दास महंत के लिए यह बदलाव उनकी ज़िंदगी बदलने वाला साबित हुआ है। रोज़ाना मज़दूरी करने वाले परिवार से आने के बाद उन्होंने वेदांता स्किल स्कूल में 'फ़ूड एंड बेवरेज सर्विस स्टीवर्ड' कोर्स में दाखिला लिया। बातचीत करने और मेहमानों को संभालने के हुनर सीखने के बाद उन्हें हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में नौकरी मिल गई। अब वे 'होटल श्री महाराजा' में 'ट्रेनी कैप्टन' के तौर पर काम कर रहे हैं और सालाना लगभग रू. 2 लाख कमा रहे हैं। उनकी कहानी यह दिखाती है कि स्किल ट्रेनिंग न सिर्फ़ लोगों को नौकरी दिलाने में मदद करती है, बल्कि उनके करियर को लंबे समय तक आगे बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाती है।

वेदांता के नंदघर एवं प्री स्कूल शिक्षा से बदल रही तस्वीर

इसके साथ ही वेदांता लिमिटेड द्वारा अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की साझेदारी में शुरू किए गए 110 'नंद घर' प्री-स्कूल शिक्षा को बेहतर बनाने में मदद कर रहे हैं। ये केंद्र बाला पेंटिंग्स और डिजिटल उपकरणों जैसे इंटरैक्टिव सीखने के तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। ये केंद्र 7,000 से ज़्यादा माताओं और बच्चों तक पहुँच रहे हैं, जिससे शुरुआती शिक्षा और पोषण में सुधार हो रहा है। वहीं स्कूल सहायता कार्यक्रमों ने अब तक 4,000 से ज़्यादा छात्रों की मदद की है।

ये प्रयास शिक्षा से रोज़गार तक का एक स्पष्ट जरिया बनाते हैं, जिससे लोगों को एक मज़बूत व्यवस्था के सहयोग से समय के साथ अलग-अलग तरीकों से कमाई करने में मदद मिलती है।

आजीविका को सहारा देने वाले इकोसिस्टम की मज़बूती

आय में स्थिर रूप से वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए लोगों को समय के साथ मज़बूत प्रणालियों के माध्यम से सहयोग देना महत्वपूर्ण है। वेदांता बालको इसी दृष्टिकोण का पालन करता है। यह न केवल रोज़गार उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि उन परिस्थितियों को भी बेहतर बनाने पर ज़ोर देता है, जो लोगों को अपने रोज़गार को बनाए रखने में मदद करती हैं। बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, बीमारियों की जल्दी पहचान और नियमित रूप से लोगों तक पहुँचने के प्रयास लोगों को अचानक उत्पन्न होने वाली वित्तीय समस्याओं से बचने में मदद करते हैं। इसके साथ ही बेहतर स्वच्छता और बुनियादी सेवाओं की उपलब्धता लोगों के लिए काम करना आसान बनाती है और उनकी कार्य-क्षमता में भी सुधार लाती है।

सड़कों, सार्वजनिक स्थानों और स्थानीय सुविधाओं जैसे सामुदायिक बुनियादी ढांचे में हो रहे सुधारों से लोगों के लिए यात्रा करना और बाज़ारों, प्रशिक्षण तथा रोज़गार से जुड़ना आसान हो रहा है। ये कोई अतिरिक्त प्रयास नहीं हैं, बल्कि ऐसे महत्वपूर्ण फैक्टर हैं, जो लोगों को अधिक स्थिर और भरोसेमंद आजीविका बनाने में मदद करते हैं।

इस इकोसिस्टम में शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण अवसरों को आय से जोड़ने में मदद करते हैं। वेदांता बालको प्रारंभिक शिक्षा, कोचिंग और व्यावसायिक प्रशिक्षण को एक साथ लाकर रोज़गार के स्पष्ट मार्ग तैयार करता है। कोचिंग कार्यक्रम इसमें एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दो केंद्रों के माध्यम से 300 से ज्यादा छात्रों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और 206 अन्य छात्रों को सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे ज्यादा लोगों को सरकारी नौकरियों को पाने में मदद मिल रही है।

कोरबा एवं कवर्धा में कोचिंग सेंटर से प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों को अद्भूत सफलता

वेदांता बालको द्वारा छत्तीसगढ़ के युवाओं के स्वर्णीम भविष्य के लिए कोरबा एवं कवर्धा में कोचिंग सेंटर का भी संचालन किया जा रहा है। आय के स्रोत बढ़ाने में शिक्षा कार्यक्रम का भी बड़ा योगदान है। इस प्रगति को उन शिक्षा कार्यक्रमों से भी समर्थन मिल रहा है जो ज़्यादा अवसर पैदा करते हैं। कोरबा और कवर्धा में दो कोचिंग सेंटर हर साल 300 से ज़्यादा छात्रों को सरकारी परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षित करते हैं और अब तक 84 छात्रों का चयन भी हो चुका है।

कृषि के अलावा आय के अन्य स्त्रोतों का सृजन

हालांकि खेती अभी भी बुनियादी आय का आधार बनी हुई है, लेकिन आय के स्त्रोतों में विविधता लाने का सबसे बड़ा बदलाव खेती से बाहर के क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। वर्ष 2010 में शुरू किए गए वेदांता स्किल स्कूल के ज़रिए तीन केंद्रों में अब तक कुल 15,000 से ज़्यादा युवाओं को ट्रेनिंग दी जा चुकी है। इनमें से हर साल 1,000 से ज़्यादा युवाओं को इंडस्ट्री की मांग के हिसाब से अलग-अलग ट्रेड में कुशल बनाया जाता है। यह प्रोग्राम ट्रेनिंग को सीधे रोज़गार से जोड़ता है और 11 राज्यों में फैली 70 से ज़्यादा संस्थाओं में प्लेसमेंट के अवसर उपलब्ध कराता है, जहाँ सालाना सैलरी 3 लाख रुपये तक होती है। कई परिवारों के लिए यह एक ढांचागत बदलाव को दर्शाता है, जहाँ आय अब केवल ज़मीन या मौसमी चक्रों पर निर्भर नहीं रहती। इसके बजाय इसे औपचारिक रोज़गार से होने वाली स्थिर और साल भर की कमाई का सहारा मिलता है।

अनिल अग्रवाल ने सिंहितराई पावर प्लांट हादसे पर दुख जताया

सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

सक्ती/सिंघीतराई (दिव्य आकाश)।

वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सिंहितराई पावर प्लांट हादसे पर सोशल मीडिया (एक्स) पर 27 अप्रैल 2026 को अपनी दूसरी पोस्ट में इस साल की शुरुआत में अपने बेटे के निधन और हाल ही में हुए बॉयलर हादसे, जिसमें 25 लोगों की जान गई, के बाद गहरे व्यक्तिगत और पेशेवर दुख के दौर पर बात की। गत सोमवार को अपनी पोस्ट में, अग्रवाल ने पिछले कुछ महीनों को अपने जीवन के सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण समयों में से एक बताया और दोनों घटनाओं से जुड़े अपार दुख को व्यक्त किया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एथेना प्लांट कड़े सुरक्षा और सेफ्टी प्रोटोकॉल के तहत संचालित हो रहा था। इसके संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी एनजीएसएल को सौंपी गई थी, जो भारत की विश्वसनीय महारत्न कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड और जनरल इलेक्ट्रिक के बीच साझेदारी है। यह काम अनुभवी टीमों, स्थापित प्रणालियों और उद्योग मानकों के सुरक्षा उपायों के साथ किया जा रहा था। इन सभी उपायों के बावजूद, उन्होंने कहा कि यह दुखद घटना हो गई, जो इस तरह की घटनाओं की अनिश्चितता को दर्शाती है।

उन्होंने आगे वेदांता की इस प्रतिबद्धता को दोहराया कि कंपनी प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी रहेगी और अपने सभी कार्यों में सुरक्षा, देखभाल और जिम्मेदारी पर लगातार ध्यान बनाए रखेगी।

उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा:

''सुना था वक्त अक्सर इम्तिहान लेता है, पिछले कुछ महीनों से मैं यह अनुभव भी कर रहा हूँ।

साल की शुरुआत में ही, मैंने पहले अपने नौजवान बेटे को खो दिया और फिर इस महीने, 14 अप्रैल को सिंहितराई पावर प्लांट में हुए अफसोसजनक हादसे ने मुझसे 25 बेशकीमती साथी छीन लिए। मैं ऐसी असामयिक मृत्यु का दर्द भली भाँति जानता हूँ।

दोनों ही हादसे, इतने अननेचुरल से, पीड़ा से भरे लगते हैं, जिसकी कोई कल्पना नहीं कर सकता।

मुझे दुख और हैरत होती है सोचकर कि हमारे इस एथेना प्लांट में हमने सर्वोच्च सावधानी बरती, इस प्लांट की पूरी जिम्मेदारी भी हमने हिंदुस्तान की सबसे भरोसेमंद महारत्न कंपनी एनटीपीसी-जीई की पार्टनरशिप एनजीएसएल को सौंपी। कॉन्टैक्टर्स और एम्पलाॅइज भी उनके थे। एक्सपरटाईज भी उनका था और इसी भरोसे पे निश्चिंत होकर हमने इस प्लांट का रखरखाव और ऑपरेशन्स, आउटसोर्स किया था। फिर भी यह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हो गया। यह वैसा ही है जैसे अक्सर वाहन मालिक, अपना वाहन किसी भरोसेमंद ड्राइवर को दे देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वाहन चालक और वाहन, नियमों के साथ चलकर सलामत रहेंगे।

वेदांता के हर कांट्रैक्ट में सेफ्टी पर सबसे ज़्यादा फोकस रहता है। और एनटीपीसी और जीई की भी यही पॉलिसी रही है। उसके बाद भी इतनी बड़ी दुर्घटना हो जाए तो दिल टूट जाता है।

मेरे बेटे अग्निवेश सहित, जो 25 प्रियजन हमने खोए हैं, उन सभी जनों को मैं, वेदांता परिवार और अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।''

बालको ने मेटल डिवीजन पेट्रोल पंप में अग्नि आपातकालीन मॉक ड्रिल का किया आयोजन

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने मेटल डिवीजन स्थित पेट्रोल पंप क्षेत्र में अग्नि आपातकाल एवं कैजुअल्टी प्रबंधन की तैयारियों का आकलन करने हेतु एक मॉक ड्रिल आयोजित किया। यह अभ्यास राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया, जो कर्मचारी सुरक्षा, आपातकालीन तैयारी एवं औद्योगिक सुरक्षा जागरूकता के प्रति बालको की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मॉक ड्रिल जिला प्रशासन के प्रतिनिधि विजय सिंह पोटाई, उप संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, कोरबा की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को सुदृढ़ करना, विभिन्न टीमों के बीच समन्वय बढ़ाना तथा औद्योगिक सुरक्षा मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करना था। इस दौरान पेट्रोल डिस्पेंसिंग यूनिट में संचालन के समय आग लगने की आभासी स्थिति तैयार की गई। अभ्यास में कैजुअल्टी की स्थिति भी शामिल की गई थी

आपातकालीन प्रक्रिया के तहत ऑपरेटर ने तत्काल अलार्म बजाया तथा स्थिति को नियंत्रित करने के लिए स्थल पर उपलब्ध अग्निशामक यंत्र का उपयोग किया। इसके साथ ही सेंट्रल कंट्रोल रूम को सूचना दी गई, जिसके बाद फायर, रेस्क्यू, मेडिकल एवं सुरक्षा टीमों को तुरंत घटनास्थल पर रवाना किया गया। सभी आपातकालीन टीमें निर्धारित समय के भीतर मौके पर पहुंचीं और समन्वित तरीके से अग्निशमन, रेस्क्यू एवं मेडिकल कार्यवाही को अंजाम दिया। आभासी रूप से घायल व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार दिया गया तथा आगे की चिकित्सीय जांच हेतु भेजा गया।

अभ्यास में बालको की आपातकालीन नेतृत्व टीम ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रमुख अधिकारियों में बालको के सीईओ एवं निदेशक आर.के. सिंह (चीफ इंसीडेंट कंट्रोलर), शुभम भारद्वाज, (साइट इंसीडेंट कंट्रोलर) बसंत कुमार (वर्क इंसीडेंट कंट्रोलर), तथा भारतेंदु कमल पांडे, चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर शामिल रहे।

मॉक ड्रिल की सराहना करते हुए विजय सिंह पोटाई ने कहा कि इस प्रकार की नियमित मॉक ड्रिल औद्योगिक सुरक्षा मानकों को मजबूत करने एवं वास्तविक आपातकालीन परिस्थितियों के लिए तैयारियों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली एवं विभिन्न टीमों के प्रभावी समन्वय के लिए बालको की प्रशंसा भी की।

राजेश कुमार सिंह नियुक्त हुए बालको के सीईओ

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने राजेश कुमार सिंह को नया सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक नियुक्त किया है। उन्होंने शनिवार को पदभार भी संभाल लिया है। वे कंपनी के समग्र प्रचालन, रणनीति और भविष्य की विकास पहलों का नेतृत्व करेंगे। उन्हें विनिर्माण उत्कृष्टता और संयंत्र क्रियान्वयन में अनुभव है।

सीईओ सिंह ने अपने करियर के दौरान विभिन्न औद्योगिक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके नेतृत्व में कई विनिर्माण इकाइयों ने उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार करते हुए लागत में कमी लाकर विश्वस्तरीय मानक स्थापित किए हैं। प्रचालन, औद्योगिक सुरक्षा, उत्पादकता और गुणवत्ता सुधार, डिजिटलाइजेशन, नेतृत्व और रणनीति जैसे क्षेत्रों में उनकी गहरी विशेषज्ञता रही है।उनके नेतृत्व में बालको के प्रदर्शन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और सतत विकास के लक्ष्यों को और मजबूती मिलने की अपेक्षा है। तात्कालीन सीईओ राजेश कुमार को वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड का सीईओ नियुक्त किया है। वे एल्यूमिना और एल्यूमिनियम विस्तार परियोजनाओं, डाउनस्ट्रीम व्यवसाय के विकास और रणनीतिक पहलों का नेतृत्व करेंगे। बालको में अपने कार्यकाल के दौरान राजेश कुमार ने कंपनी की विस्तार परियोजनाओं को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में संगठन ने उत्पादन क्षमता वृद्धि, प्रक्रियागत उत्कृष्टता और दीर्घकालिक विकास के लिए मजबूत आधार तैयार किया।उनके नेतृत्व में बालको के प्रदर्शन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और सतत विकास के लक्ष्यों को और मजबूती मिलने की अपेक्षा है। पूर्व सीईओ राजेश कुमार को वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड का सीईओ नियुक्त किया है। वे एल्यूमिना और एल्यूमिनियम विस्तार परियोजनाओं, डाउनस्ट्रीम व्यवसाय के विकास और रणनीतिक पहलों का नेतृत्व करेंगे। बालको में अपने कार्यकाल के दौरान राजेश कुमार ने कंपनी की विस्तार परियोजनाओं को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में संगठन ने उत्पादन क्षमता वृद्धि, प्रक्रियागत उत्कृष्टता और दीर्घकालिक विकास के लिए मजबूत आधार तैयार किया।

छत्तीसगढ़ 10वीं बोर्ड रिजल्ट, टॉप 10 में 26 लड़कियां:टॉपर्स को मिलेंगे डेढ़ लाख, महासमुंद की संध्या-परीरानी, मुंगेली के अंशुल शर्मा को 99% मिले

टॉप 3 में महासमुंद की संध्या, परीरानी और मुंगेली के अंशुल शर्मा है, तीनों का रिजल्ट 99%

रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ 10वीं बोर्ड का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। टॉप 3 में महासमुंद जिले की 2 लड़कियों ने 99% के साथ टॉप किया है। इनमें एकलव्य इंग्लिश स्कूल अर्जुंदा की संध्या नायक और एकलव्य स्कूल बलौदा की परीरानी प्रधान शामिल है। तीसरे नंबर पर मुंगेली के अंशुल शर्मा है, इन्होंने भी 99% लाया है।

संध्या किसान परिवार से आती है, रिजल्ट जारी होने के बाद उन्होंने भविष्य में डिप्टी कलेक्टर बनने की बात कही। अंशुल के पिता इंश्योरेंस एडवाइजर, उन्होंने 11वीं में मैथ्स लेकर JE की तैयारी करने की बात कही। परीरानी प्रधान ने डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करने की इच्छा जताई।

बता दें कि इस साल 10वीं बोर्ड परीक्षा में करीब 3 लाख 21 हजार स्टूडेंट्स ने एग्जाम दिया था, इनमें 77.15% स्टूडेंट्स पास हुए हैं। 42 स्टूडेंट्स मेरिट में आए हैं, इनमें 26 लड़कियां शामिल हैं। राज्य सरकार ने टॉपर्स को डेढ़ लाख देने का ऐलान किया है।

टॉप 3 में महासमुंद की संध्या नायक, परीरानी प्रधान और मुंगेली के अंशुल शर्मा।

टॉप 10 में शामिल रायपुर की दीपांशी बौद्ध और आदित्य बसु।

कवर्धा की रिया केशरवानी 98.83% के साथ टॉप 2 पर है।

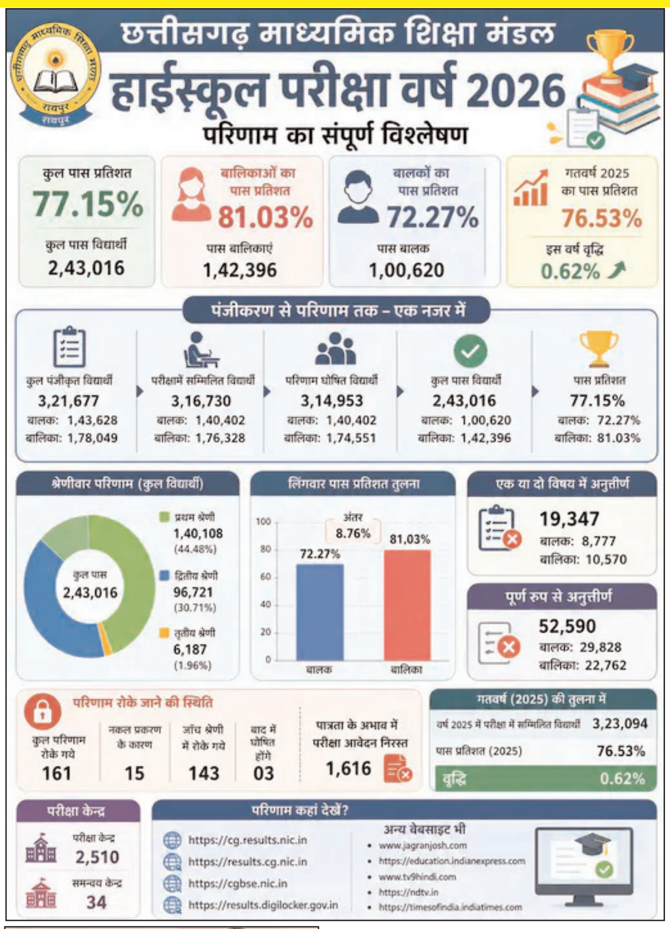

रिजल्ट देखने के लिए क्लिक करें
माध्यमिक शिक्षा मंडल की आधिकारिक वेबसाइट https://cg.results.nic.in पर रोल नंबर डालकर रिजल्ट देखें...

कोरबा फिसड्डी

कोरबा में इस बार किसी भी विद्यालय ने टॉप टेन में अपनी जगह नहीं बना पाया और न ही कोरबा का प्रदर्शन अच्छा रहा। जिला शिक्षा अधिकारी पर गाज गिर सकती है। 10वीं में कोरबा का स्थान प्रदेश में 18वां है।

42 में से सिर्फ 8 टॉपर प्राइवेट स्कूल के

स्कूल प्रकार	कुल टॉपर्स	प्रतिशत
प्रयास (Prayas)	13	31%
एकलव्य (Eklavya)	8	19%
स्वामी आत्मानंद (Atmanand)	8	19%
अन्य सामान्य सरकारी स्कूल	5	12%
प्राइवेट स्कूल	8	19%

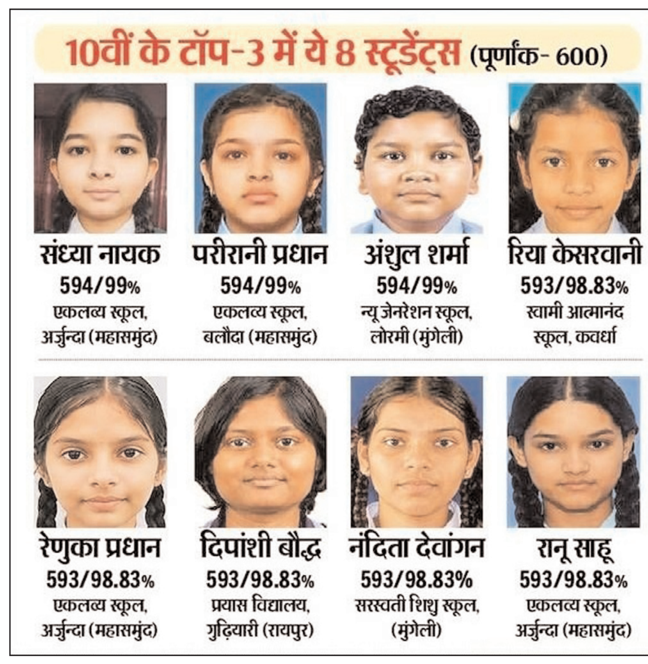

रायपुर से सबसे अधिक 10 टॉपर्स

क्रमांक	जिला	कुल टॉपर्स
1	रायपुर	10
2	महासमुंद	8
3	बिलासपुर	5
4	दुर्ग	4
5	मुंगेली	3
6	रायगढ़	2
7	जशपुर	2
8	कोरिया	2
9	जांजगीर-चांपा	2
10	कबीरधाम	1
11	कांकेर	1
12	गरियाबंद	1
13	सारंगढ़	1

इस बार फिर बेटियों का दबदबा

इस बार फिर बेटियों का दबदबा 10वीं बोर्ड की परीक्षा में दिखा। पास होने वाली बेटियों का प्रतिशत 81 प्रतिशत से ऊपर रहा, जबकि 72 प्रतिशत से ऊपर बेटे पास हुए। टॉप 10 में भी बेटियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस बार प्रदेश के निजी स्कूलों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, जबकि शासकीय स्कूलों ने शानदार प्रदर्शन किया। निजी स्कूल कारण ढूंढ़ने में लग गए हैं।

10वीं बोर्ड में ऋतूराज ने लहराया परचम

कटघोरा (दिव्य आकाश)।

आत्मानंद विद्यालय के होनहार छात्र ऋतू राज यादव ने 10वीं बोर्ड परीक्षा में 79% अंकों के साथ प्रवीणता प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की। यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, अटूट लगन, अनुशासन एवं समर्पण का परिणाम है। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। इस उपलब्धि का श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता, गुरुजनों, नाना-नानी, मामा कोमल, प्रियंका छाबड़ा, मौसी निशु एवं अपने मित्रों को दिया, जिनके सहयोग और मार्गदर्शन से वे इस मुकाम तक पहुँचे। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। शिक्षकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं कि वे आगे भी इसी तरह सफलता की नई ऊँचाइयाँ छूते रहें।

बेटियों ने फिर रचा इतिहास:गत वर्ष की तुलना में हाई और हायर सेकेंडरी का प्रदर्शन रहा उत्कृष्ट, कलेक्टर ने दी शुभकामनाएं

कोरबा (दिव्य आकाश)।

गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी बोर्ड का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। इस वर्ष घोषित परिणामों में जिले की छात्राओं ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता साबित करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। पिछले वर्ष हाई स्कूल का परिणाम 74.49 प्रतिशत था, जो इस बार बढ़कर 77.58 प्रतिशत हो गया है। इसी प्रकार हायर सेकेंडरी का परिणाम वर्ष 2024-25 में 80.31 प्रतिशत था, जबकि वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 83.48 प्रतिशत पर पहुँच गया।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपनी रुचि के अनुसार विषयों का चुनाव कर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे परीक्षाफल को लेकर चिंता में न पड़ें और किसी भी प्रकार का गलत कदम न उठाएँ। कलेक्टर ने उन्हें आने वाले समय के लिए आत्मविश्वास के साथ तैयारी करने की सलाह भी दी।

हाई स्कूल यानी कक्षा दसवीं की बात करें तो इस वर्ष कुल 12,691 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था, जिनमें से 12,439 छात्र परीक्षा में सम्मिलित हुए। जिले का कुल परीक्षा परिणाम 77.58 प्रतिशत रहा। इस परिणाम की सबसे खास बात यह रही कि बालिकाओं ने 82.02 प्रतिशत के साथ शानदार प्रदर्शन किया, जबकि बालकों का सफलता प्रतिशत 71.87 रहा। प्रथम श्रेणी में आने वाले कुल 5,351 विद्यार्थियों में से 3,487 बालिकाएँ हैं, जो बालकों की संख्या की तुलना में लगभग दोगुनी है।

इसी तरह हायर सेकेंडरी यानी कक्षा बारहवीं के परिणामों ने भी जिले को गौरवान्वित किया है। बारहवीं की परीक्षा में कुल 9,448 विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे और कुल औसत परिणाम 83.48 प्रतिशत रहा, जो दसवीं की तुलना में लगभग छह प्रतिशत अधिक है। यहाँ भी बालिकाओं ने 87.13 प्रतिशत सफलता के साथ अपना वर्चस्व बनाए रखा, जबकि बालकों का सफलता प्रतिशत 77.87 रहा। इस परीक्षा में कुल 4,802 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की, जिनमें 3,351 बालिकाएँ शामिल हैं। यह उपलब्धि छात्राओं की कड़ी मेहनत और शिक्षा के प्रति गंभीरता को दर्शाती है।

तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अधिक गंभीरता और परिपक्वता के साथ परीक्षा दी है। इस प्रकार हाई और हायर सेकेंडरी दोनों ही परीक्षाओं में इस वर्ष का परीक्षा परिणाम जिले के लिए गौरव का विषय रहा और छात्र-छात्राओं के समर्पण तथा परिश्रम ने एक बार फिर कोरबा जिले का मान बढ़ाया है।

छत्तीसगढ़ बोर्ड 12वीं रिजल्ट, लड़कियों ने फिर मारी बाजी

जिज्ञासु ने किया टॉप

पिता की किराना दुकान, टॉपर बोली- पढ़ाई में एआई की ली मदद

रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 के नतीजे जारी हो गए हैं। कुल 83.04% स्टूडेंट्स पास हुए हैं। टॉप 10 मेरिट लिस्ट में 43 स्टूडेंट्स के नाम हैं। इसमें 33 लड़कियां हैं। बलौदाबाजार जिले के पलारी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र जिज्ञासु वर्मा ने टॉप किया है। जिज्ञासु ने 98.60 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। वहीं बेमेतरा जिले के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम स्कूल की छात्रा ओमनी वर्मा ने 98.20% अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। तीसरे स्थान पर रायगढ़ जिले के गवर्नमेंट बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल छाल के छात्र कृष महंत रहे, जिन्होंने 97.80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

साय सरकार ने टॉपर्स को 1.5 लाख देने का ऐलान किया है। टॉपर जिज्ञासु वर्मा ने बताया कि आगे इंजीनियर बनना चाहते हैं। उनके पिता किराना दुकान चलाते हैं। 8वीं रैंक लाने वाली हिमशिखा गुप्ता ने कहा कि स्कूल के अलावा यूट्यूब और चैट जीपीटी से पढ़ाई की है। 12वीं परीक्षा में लड़कियों ने एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन करते हुए 86.04 प्रतिशत रिजल्ट हासिल किया, जबकि लड़कों का परिणाम 78.86 प्रतिशत रहा। करीब 2.44 लाख विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें से लगभग 2.02 लाख छात्र-छात्राएं पास हुए।

छत्तीसगढ़ बोर्ड 12वीं रिजल्ट 2026

रैंक	नाम	प्रतिशत	जिला
1	जिज्ञासु वर्मा	98.60%	बलौदा बाजार
2	ओमनी वर्मा	98.20%	बेमेतरा
3	कृष महंत	97.80%	रायगढ़
4	रिया साहू	97.60%	दुर्ग
4	शहनाज परवीन	97.60%	महासमुंद
4	ताहिरा खान	97.60%	जीपीएम
5	कुसुमलता बिप्रे	97.40%	धमतरी
5	हेमलता साहू	97.40%	रायपुर
5	ओंकार कैवर्त	97.40%	जीपीएम
5	आशा यादव	97.40%	जशपुर
6	लोकनाथ मेहर	97.20%	रायगढ़
6	करिना सिंह	97.20%	जशपुर
7	महक सचदेव	97.00%	गरियाबंद
7	गीतिका प्रधान	97.00%	महासमुंद
7	भूमिका परतोती	97.00%	जीपीएम
8	तनीशा साहू	96.80%	गरियाबंद
8	हिमशिखा गुप्ता	96.80%	रायपुर
8	चैतूराम साहू	96.80%	मुंगेली
8	शीतल साहू	96.80%	रायगढ़
8	आर्या पैंकरा	96.80%	जशपुर
9	नितेश कुमार	96.60%	बलौदा बाजार
9	लक्ष्मी	96.60%	बेमेतरा
9	पौरवी देवांगन	96.60%	महासमुंद
9	दिव्या अग्रवाल	96.60%	महासमुंद
9	काजल साहू	96.60%	रायपुर
9	आफिया खातून	96.60%	रायपुर
9	रूबी पटले	96.60%	रायपुर
9	वैभव रत्नाकर	96.60%	खैरागढ़-छुईखदान-गंडई
9	बबीता पटेल	96.60%	रायगढ़
9	लिशिका वर्मा	96.60%	रायगढ़
9	शिवम दुबे	96.60%	सारंगढ़-बिलाईगढ़
10	अंशु गुप्ता	96.40%	दुर्ग
10	विद्यारानी साहू	96.40%	गरियाबंद
10	प्रेमीन सोनकर	96.40%	गरियाबंद
10	युक्तमुखी साहू	96.40%	रायपुर
10	मानसी टंडन	96.40%	रायपुर
10	सिफत परवीन	96.40%	रायपुर
10	खुशबू देवांगन	96.40%	जांजगीर-चांपा
10	अंजली झा	96.40%	रायगढ़
10	दुनिशा साहू	96.40%	सक्ती
10	महेश्वरी	96.40%	कांकेर
10	अपर्णा बिस्वास	96.40%	कांकेर
10	यश खोब्रागड़े	96.40%	कांकेर

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने 85% से अधिक अंक लाने वाले 179 छात्रों को किया सम्मानित

कोंडागांव, एजेंसी।

कोंडागांव में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। 1 मई 2026 को आयोजित इस कार्यक्रम में, वर्ष 2025-26 की बोर्ड परीक्षाओं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर 10वीं और 12वीं कक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले 179 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को शाल, श्रीफल, पेन एवं डायरी भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है।

उन्होंने छात्रों को आगे भी इसी लगन के साथ अध्ययन जारी रखने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर ने कहा कि जिले के विद्यार्थियों की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने शिक्षकों एवं अभिभावकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों की सफलता में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर चित्रकांत चार्ली ठाकुर, जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान, डीएमसी ईमल बघेल सहित जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

दूरस्थ क्षेत्र कोंगुड़ स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल की छात्रा कुमारी यशोदा राठौर, ग्राम बारदा निवासी, ने कक्षा 12वीं में 90.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। यशोदा ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता एवं शिक्षकों को दिया।

उन्होंने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद निरंतर मेहनत और परिवार के प्रोत्साहन से यह सफलता संभव हो सकी। यशोदा ने कहा कि उन्होंने कभी संसाधनों की कमी को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया और दृढ़ संकल्प के साथ पढ़ाई जारी रखी।

इसी तरह उनकी छोटी बहन सुनीता राठौर ने कक्षा 10वीं में 95.16 प्रतिशत अंक अर्जित कर जिले और क्षेत्र का नाम रोशन किया। सुनीता ने बताया कि उन्होंने शुरुआत से ही लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई की। किसी भी विषय में शंका होने पर वे विद्यालय के शिक्षकों से मार्गदर्शन लेती थीं।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं प्रवेश परीक्षा वर्ष 2026-27 हेतु तिथियों की घोषणा

कोरबा (दिव्य आकाश)। राज्य के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट शिक्षा तथा मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, सीएमए, क्लैट एवं एनडीए जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की सघन तैयारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, रायपुर द्वारा प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु वर्ष 2026-27 की प्रवेश परीक्षा की तिथि, समय एवं प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की समय-सारणी जारी की गई है। प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की तिथि 01 मई 2026 से 10 मई 2026 प्रात: 9.30 बजे तक निर्धारित की गई है। प्रवेश पत्र पोर्टल से डाउनलोड किए जा सकेंगे। यदि विद्यार्थियों को प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में किसी प्रकार की समस्या आती है, तो वे निकटस्थ एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, प्रयास आवासीय विद्यालय या जिला कार्यालय, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, कोरबा से संपर्क कर सकते हैं। प्रवेश पत्र डाउनलोड करने हेतु आवेदन क्रमांक एवं मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से दर्ज करना होगा। प्राक्चयन परीक्षा दिनांक 10 मई 2026, रविवार को प्रात: 10बजे से दोपहर 01 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा के दिन प्रात: 9.30 बजे से 10.00 बजे के बीच ओएमआर शीट भरने की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी।जिले में परीक्षा संचालन हेतु कुल तीन परीक्षा केंद्र-एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, छुरीकला, कटघोरा, शासकीय प्रयास आवासीय विद्यालय, डिंगापुर, कोरबा, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, रामपुर, पोड़ीउपरोड़ा निर्धारित किए गए हैं।

साक्षात्कार

MJF लायन आशीष अग्रवाल
पीड़ित मानवता की सेवा में समर्पित एक व्यक्तित्व

GLT Coordinator (ALLI, RLLI, DLLI, CLLI - Certified)
द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब्स डि. 3233सी

09 एवं 10 मई को डिस्ट्रिक्ट कान्फ्रेंस : द्वितीय वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के लिए लायन आशीष अग्रवाल का लायनोचित अभिवादन

द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब्स डिस्ट्रिक्ट 3233 सी 9वीं डिस्ट्रिक्ट कांफ्रेंस 09 एवं 10 मई 2026 को ऊर्जाधानी कोरबा के जश्न रिसोर्ट के सभागार में आयोजित होने जा रही है। दुश्मन को भी अपने आकर्षक व्यक्तित्व से अपना बना लेने वाले एमजेएफ लॉयन आशीष अग्रवाल सभी लॉयन दिग्गजों की उपस्थिति में वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वितीय के प्रत्याशी के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए सभी लायंस का लायनोचित अभिवादन करते हुए अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए कहा - मैं लॉयन दिग्गजों के मार्गदर्शन में डिस्ट्रिक्ट 3233सी को टीम भावना के साथ नई ऊंचाईयों तक ले जाने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा लगा दूंगा। आशीर्वाद एवं स्नेह की अपेक्षा-

सेवा कार्य, जो मेरे लायनवाद को पुष्ट बनाते हैं कि मैं एक लायन हूं

बिलासपुर/कोरबा (दिव्य आकाश)।

जीवन उसी का सार्थक है, जो पीड़ित मानवता के प्रति अपनी संवेदनाएं उड़ेल दे। जीवन में कई चुनौतियां और उतार-चढ़ाव आते हैं, लेकिन सम रहकर लोगों के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा नहीं छोड़ते... एक ऐसे व्यक्तित्व का नाम है लायन आशीष अग्रवाल। लायंस क्लब बिलासपुर सेवा के बैनर तले लायन आशीष अग्रवाल की संवेदनाएं बिलासपुर क्षेत्र सहित द इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ लायंस क्लब्स डिस्ट्रिक्ट 3233सी ने देखी है, कि किस तरह लायन आशीष अग्रवाल ने टीम भावना के साथ लायनवाद को जिया है और रचनात्मक एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े सेवा कार्यों को धरती पर उतारा है।

लायन आशीष अग्रवाल कहा करते हैं कि प्रकृति ने हमें मानव बनाकर सबसे बड़ा उपहार दिया है और हम प्रकृति के ऐसे ऋणि हैं, जिसके परोपकार को हम आजीवन न भूल सकते हैं और न ही उऋण हो सकते हैं, इसलिए हम अपनी क्षमता को परिवार के साथ पीड़ित मानवता के लिए समर्पित करने का प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए, ताकि सबकुछ समाज का दिया हुआ हम कुछ वापस समाज को लौटा सकें।

हम इस डिस्ट्रिक्ट कांफ्रेंस में पधारे समस्त लायन दिग्गजों, अतिथियों, समस्त पक्ष एवं विपक्ष में खड़े लायन साथियों, लायन दिग्गजों का लायनोचित अभिवादन करते हुए सभी का नमन भी करते हैं। हमसे जो अनुज (उम्र में) हैं, वे भी हमारे मार्गदर्शक हैं और उनके व्यवहार तथा सामाजिक चरित्र से हमें कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और लायनिज्म को आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है और पीड़ित मानवता की सेवा के लिए प्रेरणा।

लायनवाद एक प्रेरणा : लायन आशीष अग्रवाल एक सेवक

लायन आशीष अग्रवाल का कहना है कि लायनवाद सामाजिक सरोकार का एक विशाल वटवृक्ष है और हम वटवृक्ष का एक छोटी सी टहनी। द इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ लायंस क्लब्स एक वृहद और संभवतः दुनिया की सबसे बड़ी निजी सामाजिक सेवा संस्थान है और हम इसकी छोटी सी इकाई। इस संस्थान से जुड़ने का जो गौरव हम महसूस करते हैं, उसकी परिणीति एक सफल सामाजिक व्यक्तित्व बनने में है और हम व्यक्ति से व्यक्तित्व बनने के प्रयास में लगे रहते हैं। जो व्यक्तित्व बन जाए, उसी का जीवन सार्थक कहा जा सकता है। मैं व्यक्ति के रूप में सभी के सामने उपस्थित हुआ हूं और आपके आशीर्वाद से ही कहीं व्यक्तित्व बन सका, तो सभी का हृदय से आभारी रहूंगा और विश्वास दिलाता हूं कि टीम भावना को सर्वोपरी रखूंगा, पक्ष-विपक्ष का भेद नहीं रहेगा, रहेगा सिर्फ लायनवाद, मानवतावाद। न राग रहेगा, न द्वेष... सिर्फ रहेगा लायनवाद और मेरे प्रेरणा रहेंगे, सभी लायनवाद के दिग्गज, लायन साथी और मानवता के पुजारी। मेरे लिए लायनवाद मेरी प्रेरणा है और मैं लायनवाद का सेवक।

रेल्वे स्टेशन बिलासपुर में वाटर कूलर का स्थापित ताकि यात्रियों की प्यास बुझे।

लायन आशीष अग्रवाल अपने आपको एक व्यक्ति बताते हैं, लेकिन उनके सेवा कार्यों ने उन्हें एक व्यक्तित्व बना दिया। लायंस क्लब आफ बिलासपुर सेवा के बैनरतले लायन आशीष अग्रवाल ने लायनवाद के सिद्धांतों को आत्मसात किया और लायनवाद के विस्तार को नई ऊंचाईयां दी। लायन आशीष अग्रवाल ने लायंस क्लब में पहले लीडरशीप के गुर सीखे और अब लीडरशीप डेव्हलपमेंट के लिए नए लायन सदस्यों को लीडरशीप डेव्हलपमेंट के गुर सीखा रहे हैं।

उन्होंने हमेशा सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों में अपनी सहभागिता निभाई और समाज के अंतिम व्यक्ति तक लायनवाद को पहुंचाने अपनी पूरी ऊर्जा लगा दी, ताकि क्षमता से अधिक लायनवाद का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

उनके सेवा कार्यों को कोरोनाकाल में बिलासपुर ने देखा है, कि किस तरह उन्होंने संकटग्रस्त लोगों का अन्न, किट, मास्क एवं अन्य जरूरत की सामाग्री पहुंचाई, ताकि कुछ लोगों को ही सही, राहत तो मिले।

बिलासपुर रेल्वे स्टेशन में वाटरकूलर की स्थापना हो, या अंधत्व विद्यालय में बच्चों के लिए कुछ उपहार भेंट करने की बात हो। ठंड में गरीबों को कंबल बांट कर ठंड से राहत दिलाने की बात हो या फिर स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से स्वस्थ बिलासपुर... स्वस्थ छत्तीसगढ़ की परिकल्पना में सहभागिता निभाने की। सामाजिक दायित्वों को निभाने में आशीष अग्रवाल कभी पीछे नहीं रहे और उन्होंने अपनी जिम्मेदारी को टीम भावना के साथ बखूबी निभाई। उनके लिए लायनिज्म ही सर्वोपरी है और लायनिज्म से ही उनकी दिनचर्या प्रारंभ होती है। उनका कहना है कि छोटे शुभ काम से ही लायनिज्म को नई ऊंचाईयां दी जा सकती हैं।

लीडरशिप एवं ट्रेनिंग में सक्रिय भूमिका

रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, राजनंदगांव, कटनी, रीवा, सतना सहित डिस्ट्रिक्ट के 70+ लायंस क्लबों में फैकल्टी के रूप में लायंस पोर्टल प्रशिक्षण, लीडरशिप डेवलपमेंट डिजिटल एवं आईटी सशक्तिकरण

अन्य सामाजिक सहभागिता

- पूर्व उपाध्यक्ष - अग्रवाल नवयुवक समिति
- पूर्व सचिव - अग्रवाल नवयुवक समिति
- पूर्व सहसचिव - अग्रसेन शिक्षा समिति
- सक्रिय सदस्य - मारवाड़ी युवा मंच
- सदस्य - छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज
- संबद्धता - रूफ इंडिया एसोसिएशन

हमारा संकल्प

मजबूत नेतृत्व
सक्रिय सदस्यता विस्तार
तकनीकी सशक्तिकरण
प्रशिक्षण आधारित विकास
संगठित, समन्वित एवं उत्कृष्ट डिस्ट्रिक्ट निर्माण
आइए, एक सक्षम, ऊर्जावान और परिणामदायी नेतृत्व के साथ डिस्ट्रिक्ट 3233-ष्ट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।
आपका समर्थन - संगठन की शक्ति

विशिष्ट सम्मान एवं उपलब्धियाँ-

- लायंस इंटरनेशनल प्रेसिडेंट लीडरशिप मेडल से दो बार सम्मानित
- 2 स्टार सर्टिफाइड गाइडिंग लायन मेडल
- रीजन चेयरपर्सन एक्सीलेंस अवॉर्ड
- 10 नए लायंस क्लब स्थापित - क्लब एक्सटेंशन अवॉर्ड से सम्मानित
- 4 नए लायंस क्लब के गाइडिंग लायन
- 64 नए लायन सदस्य स्पॉन्सर
- साथ ही लायंस अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष, मल्टीपल काउंसिल चेयरपर्सन एवं डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वारा अनेकों बार प्रमाण पत्र एवं एप्रिसिएशन अवॉर्ड से सम्मानित।
- लायंस गौरव सम्मान।

एक नजर : पारिवारिक पृष्ठभूमि पर

एमजेएफ लायन आशीष अग्रवाल बिलासपुर/बाराद्वार के प्रतिष्ठित एवं कुलीन जिंदल परिवार में जन्म लिए और अब वे इस परिवार के उत्तराधिकारी हैं। पिता संतोष अग्रवाल भी हमेशा से सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं और उनकी ख्याति बिलासपुर/बाराद्वार क्षेत्र में है। माँ श्रीमती सावित्रीदेवी अग्रवाल धर्मपरायण एवं संस्कारों की प्रतिमूर्ति हैं और मानवीय संवेदनाओं के प्रतीक। पिता की डांट के साथ उनका साया हमेशा अच्छा करने की प्रेरणा देते रहे और माँ के संस्कारों ने नैतिकता का मार्ग दिखाया। लायन आशीष अग्रवाल के लिए माता-पिता आदर्श हैं, जिनकी प्रेरणा से ही मुझे लायनवादी बनने का अवसर प्राप्त हुआ।

जीवन संगिनी लायन श्रीमती दुर्गा अग्रवाल भी एक सक्रिय लायन साथी के रूप में उनके हर सेवा कार्यों में अपना हाथ बढ़ाती हैं, जिससे समाज को चार हाथों का लाभ मिल सके। राष्ट्र निर्माण एवं समाज निर्माण की सीख देते लायन आशीष अग्रवाल-लायन दुर्गा अग्रवाल अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिला रहे हैं। लायन आशीष अग्रवाल का कहना है कि आज शिक्षा ही एक ऐसा हथियार है, जिससे व्यक्ति का जीवन सरल, सुलभ और वैभवशाली बन सकता है।

आशीष अग्रवाल : उच्चाशिक्षित होने के साथ संगठन के कुशल प्रबंधक एवं सक्षम नेतृत्व

एमजेएफ लायन आशीष अग्रवाल प्रारंभ से ही कुशाग्र बुद्धि के थे और प्राथमिक, माध्यमिक, हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल में प्रतिभावान विद्यार्थी के रूप में पहचाने जाते रहे। अपनी शिक्षा के दौरान मेरिट लिस्ट होल्डर होने के कारण विद्यार्थी जीवन में भी एमजेएफ लायन आशीष अग्रवाल की ख्याति पूरे छत्तीसगढ़ में फैली रही और अपने निरंतर प्रयासों से उन्होंने अपनी बौद्धिक क्षमता का परिचय दिया। उच्चशिक्षा के तहत उन्होंने एमबीए और एम काम तक पढ़ाई की। उच्च शिक्षित व्यक्ति का यही प्रमाण है कि आशीष अग्रवाल भी विनम्र और विनयशील हैं।

आशीष अग्रवाल की विनम्रता के पीछे एक कुशल प्रबंधन क्षमता और नेतृत्व कौशल की छाप स्पष्ट झलकती है।

एक नजर व्यवसाय पर

लायन आशीष अग्रवाल कहा करते हैं कि पुरूषार्थ से कमाया धन हमेशा फलित होता है और आय का कुछ अंश समाज को समर्पित करने से धन का सदुपयोग। लायन आशीष अग्रवाल पारिवारिक अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए विरासत में मिले व्यवसाय के साथ खुद का स्टार्टअप प्रारंभ किया और वे मेसर्स बालाजी इंटरप्राईजेज, मेसर्स जिंदल कंस्ट्रक्शन, मेसर्स दुर्गा पॉलिमर, मेसर्स आशीष अग्रवाल एवं मेसर्स बालाजी ब्रोकर्स जैसी संस्थानों का संचालन करते हैं। परिवार सुदृढ़ और सक्षम होगा, तो समाज को भी लाभ होगा, इस लक्ष्य को लेकर लायन आशीष अग्रवाल सामाजिक सरोकार को अमलीजामा पहनाने में लगे हुए हैं।

लायंस संगठन में दायित्व

2025-26 - ग्लोबल लीडरशिप टीम कोऑर्डिनेटर
2024-25 - क्लब डायरेक्टर
2023-24 - डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट सेक्रेटरी
2022-23 - क्लब डायरेक्टर
2021-22 - डिस्ट्रिक्ट आई.टी. चेयरपर्सन
2020-21 - रीजन चेयरपर्सन
2019-20 - डिस्ट्रिक्ट आई.टी. चेयरपर्सन
2018-19 - जोन चेयरपर्सन
2017-18 - अध्यक्ष, लायंस क्लब बिलासपुर सेवा
2016-17 - सचिव, लायंस क्लब बिलासपुर सेवा

मेरे प्रयास से यदि किसी एक का जीवन खुशहाल और समृद्ध बनता है, तो मैं समझूंगा कि मेरा जीवन सार्थक हुआ- एमजेएफ लॉयन आशीष अग्रवाल

पता : MJF लायन आशीष अग्रवाल, 16/269, प्रदीप कोचिंग स्ट्रीट, दीपुपारा रोड, विद्या नगर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ - 495001, 9827473074 ashishagrawal11@gmail.com

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com